twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

divyadelhi.com | बुधवार, 03 सितम्बर, 2025 | वर्ष: 01, अंक: 06, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- 09/- दिव्य दिल्ली (इंग्लिस पेपर सहित)

बिहार की जनता मेरी मां का अपमान कभी माफ नहीं करेगी: नरेंद्र मोदी

बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने मेरी स्वर्गीय मां का अपमान किया है और यह केवल मेरी मां का ही नहीं बल्कि देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को माफ कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता मेरी मां के अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के बैंक खाते में 105 करोड़ रुपये की राशि का भी हस्तांतरण किया। कार्यक्रम में लाखों की संख्या में महिलाएं मौजूद थीं, जिनसे संवाद करते हुए प्रधानमंत्री कई बार भावुक हो गए। अपने संबोधन की शुरूआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती मातृशक्ति की पूजा करने वाली धरती है। यहां छठ महापर्व और सतबहिनी पूजा जैसी परंपराएं स्त्रियों के सम्मान की प्रतीक हैं। ऐसे पवित्र प्रदेश में कांग्रेस और राजद के मंच से उनकी स्वर्गीय मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल हुआ।

'यह केवल मेरी मां का अपमान नहीं है। यह देश की हर मां, बहन, हर बेटी का अपमान है'

पीएम ने कहा कि यह केवल मेरी मां का अपमान नहीं है। यह देश की हर मां, हर बहन और हर बेटी का अपमान है। भारत माता की संतानें इसे कभी सहन नहीं कर सकतीं। मोदी ने जोर देकर कहा, मैं राजद-कांग्रेस को माफ कर सकता हूं, लेकिन बिहार की जनता मेरी मां का अपमान करने के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। भारत की धरती ने कभी मां का अपमान बर्दाश्त नहीं किया है। इसलिए कांग्रेस-राजद को सात बहिनों और छठी मईया से माफी मांगनी चाहिए। माताओं-बहनों को मैदान में उतरकर उनसे जवाब मांगना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपनी मां हीराबेन मोदी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 100 वर्ष की आयु तक साधारण और संघर्षपूर्ण जीवन जिया। वह राजनीति से दूर रहीं, लेकिन उनके आशीर्वाद ने ही मुझे देश सेवा की राह पर आगे बढ़ाया।

'विकसित भारत रोजगार योजना' से दूर होगी बेरोजगारी: पीएम मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना देश में बेरोजगारी दूर करने में मददगार साबित होगी। पीएम मोदी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉक्टर मनसुख मंडाविया के एक लेख का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने देश की युवा आबादी के लिए रोजगार सृजन के जरिये देश को 2047 तक विकसित बनाया जा सकता है। मंडाविया ने अपनी पोस्ट में लिखा कि इस योजना से युवा शक्ति को पंख लगेंगे। भारत की ताकत इसकी जनसांख्यिकी लाभांश में निहित है। इसका फायदा उठाने के लिए मोदी सरकार ने ये योजना लांच की है। पीएम मोदी ने इस योजना से जुड़ी केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के एक लेख को भी साझा किया।

बिहार एसआईआर: सिर्फ आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आधार कार्ड पर बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में पेश नहीं किया जा सकता है। आधार का स्टेटस कानून के दायरे में रहे तो बेहतर होगा। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने पहले कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा मान्यता प्राप्त दस्तावेजों के साथ आधार कार्ड को पहचान का प्रमाण माना जा सकता है, लेकिन सिर्फ आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, "वेरिफिकेशन करवाने के दस्तावेजों में आधार को शामिल किया जा सकता है, मगर आधार का इस्तेमाल सिर्फ आधार अधिनियम के दायरे में ही किया जा सकता है। पांच जजों की बेंच ने पुट्टास्वामी केस में आधार पर जो फैसला सुनाया था, हम उसके आगे नहीं जा सकते हैं।"

क्या है पूरा मामला

बिहार में चुनाव आयोग ने आधार कार्ड को नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर दिया है। इसी कड़ी में मतदाता सूची से 65 लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें वरिष्ठ एडवोकेट प्रशांत भूषण फखऊ की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रख रहे थे। आधार अधिनियम की धारा 9 के तहत आधार नंबर किसी भी व्यक्ति की नागरिकता या भारतीय नागरिक होने का प्रमाण नहीं है। 2018 में पुट्टास्वामी केस पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच ने भी इसपर मुहर लगाई थी।

नोएडा में बनेंगे वेंटीलेटर, विदेशी कंपनियों पर निर्भरता होगी कम

गौतमबुद्ध नगर

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में अब वेंटीलेटर बनाए जाएंगे। इसके लिए यमुना विकास प्राधिकरण ने तीन एकड़ जमीन आवंटित करने संबंधी एक पत्र निर्माणकर्ता कंपनी मेडीसिस के प्रबंधन सौंप दिया है। मेडीसिस कंपनी करीब 500 करोड़ रुपये का निवेश कर नोएडा में ही वेंटीलेटर का निर्माण शुरू करेगी। नोएडा में वेंटीलेटर निर्माण होने से विदेशी कंपनियों से निर्यात करने की निर्भरता कम होगी। यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि वेंटीलेटर का निर्माण यमुना सिटी में शुरू होना महत्वपूर्ण है। नोएडा की एक कंपनी मेडीसिस यहां करीब 500 करोड़ रुपये का निवेश कर वेंटीलेटर का निर्माण शुरू करेगी।

इस के लिए तीन एकड़ जमीन आवंटित किया गया है। एनसीआर में वेंटीलेटर के निर्माण शुरू होने से यहां मरीजों के लिए लाइफ सपोर्ट की सुविधा सुगम हो सकेगी। इस संबंध में कंपनी का कहना है कि जल्दी ही जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। जिसके बाद वेंटीलेटर बनाने की इकाई को शुरू किया जा सकेगा। कंपनी के अधिकारियों ने यमुना विकास प्राधिकरण को आश्वस्त किया कि स्थानीय स्तर पर ही वेंटीलेटर बनने से अस्पतालों का खर्च कम हो सकेगा। इससे गंभीर मरीजों को भी किफायती दरों पर वेंटीलेटर की सुविधा मिल सकेगी। कंपनी अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हुए यहां वेंटीलेटर बनाएगी। यह इकाई यमुना सिटी के मेडिकल डिवाइस पार्क में लगाए जाने की योजना है। इस दौरान ओएसडी शैलेंद्र भाटिया भी मौजूद थे।

पक्षी से टकराया 165 यात्रियों को ले जा रहा इंडिगो का विमान

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट बीच उड़ान के दौरान किसी पक्षी से टकरा गई। यह टकराव इतनी तेज थी कि फ्लाइट को यू-टर्न लेकर नागपुर वापस आना पड़ा। नागपुर एअरपोर्ट पर फ्लाइट की दोबारा लैंडिंग करवाई गई। नागपुर एअरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी ने आज सुबह इस घटना की जानकारी दी है। हादसे के बाद को नागपुर एअरपोर्ट पर फिर से लैंड करवाया गया। वहीं, बाद में इस फ्लाइट को रद कर दिया गया। नागपुर एअरपोर्ट के अधिकारी का कहना है कि फ्लाइट ने आज सुबह नागपुर से कोलकाता के लिए उड़ान भरी थी। मगर, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद शायद विमान किसी पक्षी से टकरा गया

मुख्यमंत्री जनसेवा सदन पहुंचे 'राधा स्वामी सत्संग, ब्यास' के डेरा प्रमुख

नई दिल्ली। 'राधा स्वामी सत्संग, ब्यास' के डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने मंगलवार को दिल्ली स्थित मुख्यमंत्री के जनसेवा सदन का दौरा किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा की। रेखा गुप्ता ने कहा कि पूज्य बाबा के आशीर्वाद से सदन सचमुच धन्य हो गया है। उन्होंने कहा कि बाबा के दर्शन से यह संकल्प और प्रबल हुआ है कि जनसेवा और आध्यात्मिक सेवा एक-दूसरे के पूरक हैं। यही मार्ग हमारे राष्ट्र और समाज को वास्तविक समृद्धि और कल्याण की ओर ले जाता है। गुप्ता ने बताया कि डेरा ब्यास सेवा, करुणा और मानवता के शाश्वत मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। पूज्य गुरुदेव की वाणी में प्रेम और आशीर्वाद का संदेश झलकता है, वहीं उनके प्रवचनों से समाज को एकजुट होकर श्रेष्ठ मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। रेखा गुप्ता ने कहा कि वह हमेशा समाज के सभी वर्गों के साथ संवाद बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि डेरा प्रमुख ने इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी उनकी मुलाकात हुई थी।

केरल में 'ब्रेन ईटिंग अमीबा' का प्रकोप, 1 महीने में तीसरी मौत, ताजे पानी में पनपता है 'ब्रेन ईटिंग अमीबा'

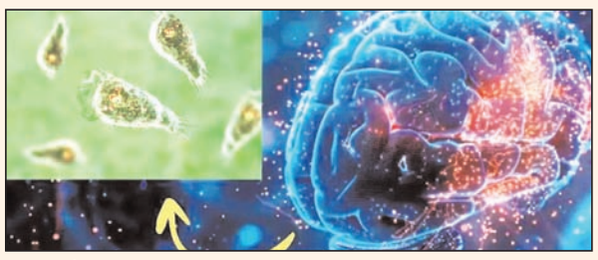

नई दिल्ली

मानसून की एंट्री के बाद केरल में एक अजीबोगरीब बीमारी ने भी दस्तक दे दी है। लोगों के दिमाग पर हमला करने वाली इस बीमारी से कई लोगों की मौत हो गई है। पिछले 1 महीने में तीन ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें 'ब्रेन ईटिंग अमीबा' का शिकार हुए लोगों की जान चली गई। हाल ही में 3 महीने की बच्ची की इसी बीमारी के कारण मौत हो गई। वहीं, अगस्त में 52 वर्षीय महिला और 9 साल की बच्ची की जान चली गई थी।

केरल सरकार ने चलाया अभियान

'ब्रेन ईटिंग अमीबा' के बढ़ते खतरे के कारण केरल सरकार ने "पानी ही जीवन है" क्लोरिनेशन अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत कुओं, पानी के टंकियों, सार्वजनिक नहाने के स्थलों की सफाई की जा रही है।

कैसे फैलती है यह बीमारी

'ब्रेन ईटिंग अमीबा' तालाब, झील, कुएं, नदियों और कम क्लोरिनेटेड पूल जैसी ताजे पानी वाली जगह पर पनपता है। यह बीमारी गर्मियों और मानसून के महीनों में तेजी से फैलती है। अक्सर नहाते समय, स्वीमिंग करते समय या सिंचाई के दौरान यह अमीबा शरीर में घुसता है और सीधा दिमाग पर हमला बोल देता है। गिरफ्त में आने वाले लोगों के बचने के आसार बेहद कम होते हैं। दुनिया भर में इस बीमारी से होने वाली मृत्युदर 95-98 प्रतिशत है। भारत समेत 20 देशों में यह बीमारी देखने को मिलती है। 2024 में केरल में 'ब्रेन ईटिंग अमीबा' के 36 मामले सामने आए थे, जिनमें से 9 लोगों की मौत हो गई थी।

'ब्रेन ईटिंग अमीबा' के लक्षण

'ब्रेन ईटिंग अमीबा' का जल्द से जल्द पता लगाकर और तुरंत इलाज शुरू करके केरल में कुछ लोगों को बचाया गया है। इस बीमारी के लक्षण 1-12 दिन के भीतर नजर आते हैं। इसमें तेज बुखार, सिर में दर्द, मितली, उल्टियां, गर्दन में अकड़न और कंपकंपी जैसी दिक्कतें देखने को मिलती हैं। 'ब्रेन ईटिंग अमीबा' से बचने के लिए केरल सरकार ने राज्य में जागरुकता अभियान चलाया है। सार्वजनिक स्थानों पर नहाने, तैरने, ठहरे हुए पानी, नदियों और पूल से दूर रहकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

भारत बनेगा फुल स्टैक सेमीकंडक्टर नेशन: मोदी

आर्थिक स्वार्थ से अर्थव्यवस्था में चुनौतियां आईं: भारतीय जीडीपी फिर भी 7.8% बढ़ी: मोदी

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि भारत अपनी युवा प्रतिभाओं के बलबूते सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में एक फुलस्टेक डेवेलपर राष्ट्र बनेगा और डिजायन से लेकर निर्माण की हर प्रक्रिया में आत्मनिर्भरता हासिल करेगा। प्रधानमंत्री मंगलवार को यशोभूमि, नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर भारत में निर्मित पहली चिप का भी अनावरण किया। इस अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री को विक्रम 32-बिट प्रोसेसर और चार परीक्षण चिप्स भेंट किए। प्रधानमंत्री मोदी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अब सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में केवल बैकएंड वर्क तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तेजी से एक फुल स्टैक नेशन बनने की ओर अग्रसर है। देश डिजाइन से लेकर निर्माण तक की पूरी प्रक्रिया स्वयं करेगा। भारत की सेमीकंडक्टर सफलता की कहानी किसी एक कार्यक्षेत्र या किसी एक तकनीक तक सीमित नहीं है। भारत एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है- जिसमें डिजाइनिंग, निर्माण, पैकेजिंग और उच्च तकनीक वाले उपकरण, सभी देश के भीतर शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेमीकंडक्टर मिशन केवल एक फैब स्थापित करने या एक चिप बनाने तक सीमित नहीं है। देश इस क्षेत्र में दुनिया की सबसे उन्नत तकनीकों के साथ-साथ आगे बढ़ रहा है। भारत एक मजबूत सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है जो देश को आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। उन्होंने उपस्थित सभी निवेशकों का खुले दिल से स्वागत करने की भारत की तत्परता का इजहार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की नीतियां अल्पकालिक संकेत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रतिबद्धताएं हैं और प्रत्येक निवेशक की जरूरतें पूरी की जाएंगी। आज पूरी दुनिया भारत पर भरोसा करती है और भारत के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर भविष्य का निर्माण करने को तैयार है। भारत की नीतिगत स्थिरता और तकनीकी क्षमता ने देश को एक मजबूत साझीदार बनाया है। मोदी ने कहा कि देश में अब तेजी से काम हो रहा है। हमारा मानना है कि जितना कम 'पेपरवर्क' होगा, उतना ही जल्दी 'वैफर वर्क' शुरू हो सकेगा।

भारतीय बौद्धिक संपदा (आईपी) के विकास के लिए प्रतिबद्धः पीएम

पीएम ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में भारतीय बौद्धिक संपदा (आईपी) के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।
उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू किया गया राष्ट्रीय अनुसंधान कोष भी रणनीतिक गठजोड़ के माध्यम से इस प्रयास का समर्थन करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सेमीकंडक्टर पार्क विकसित किए जा रहे हैं: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश भर में प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल के तहत सेमीकंडक्टर पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जो भूमि, बिजली आपूर्ति, बंदरगाह और हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी और कुशल श्रमिकों के एक समूह तक पहुँच जैसी सुविधाएँ प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के बुनियादी ढाँचे को प्रोत्साहनों के साथ जोड़ा जाता है, तो औद्योगिक विकास अवश्यंभावी है। चाहे पीएलआई प्रोत्साहनों के माध्यम से हो या डिजाइन लिंक्ड अनुदानों के माध्यम से, भारत शुरू से अंत तक क्षमताएँ प्रदान कर रहा है। यही कारण है कि निवेश का प्रवाह जारी है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि डिजाइन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना और चिप्स-टू-स्टार्टअप कार्यक्रम विशेष रूप से उनके लिए डिजाइन किए गए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि डिजाइन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना को उसके उद्देश्यों की बेहतर पूर्ति के लिए पुनर्गठित किया जा रहा है।

आज सेमीकंडक्टर चिप्स डिजिटल डायमंड्स बन चुके हैं: पीएम

पीएम ने कहा कि सरकार प्रक्रियाओं को सरल बनाकर उद्योग जगत को नई ऊर्जा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी- 'डिजाइन इन इंडिया, मेड इन इंडिया, ट्रस्टेड बाइ वर्ल्ड।' (भारत में डिजाइन किया, भारत में निर्मित और विश्व का भरोसेमंद)। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दुनिया में सेमीकंडक्टर डिजाइन बनाने वाली प्रतिभाओं में बीस प्रतिशत भारतीय हैं। देश के युवा सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए सबसे बड़ी मानव पूंजी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने युवा उद्यमियों, नवप्रवर्तकों और स्टार्ट-अप्स से आगे आने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। प्रधानमंत्री ने तेल को ब्लैक गोल्ड कहे जाने की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज चिप्स डिजिटल डायमंड्स बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब भारत इस क्षेत्र में अग्रणी बनने का संकल्प ले चुका है। भारत जिस गति से प्रगति कर रहा है, उस पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि 2023 तक भारत का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट स्वीकृत हो चुका है, 2024 में कई और प्लांट्स को मंजूरी मिल गई है और 2025 में पाँच अतिरिक्त परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर, दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं अभी चल रही हैं, जिनमें लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश शामिल है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी के छापे

नई दिल्ली
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों की जांच के सिलसिले में मंगलवार को दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गोवा में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अरविंद रेमेडीज कंपनी और उसके प्रवर्तक अरविंद बी. शाह के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तमिलनाडु के चेन्नई और कांचीपुरम, कोलकाता और गोवा के कुछ परिसरों पर छापेमारी की गई। एक अन्य मामले में ईडी ने गुप्ता एक?जिम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ जांच के तहत कुल 10 ठिकानों (दिल्ली में नौ और पुणे में एक) जगह पर छापे मारे हैं। जानकारी के मुताबिक ईडी की ये छापेमारी जुलाई, 2021 के धन शोधन मामले से जुड़ी है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले को लेकर अक्टूबर, 2016 में एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें कंपनी और उसके प्रवर्तक पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह से करीब 637 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत दर्ज ईडी की छापेमारी का यह दूसरा मामला कंपनी, उसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। इन पर पंजाब नेशनल बैंक (पूर्व में ई-ओबीसी बैंक) से लिए गए करीब 425 करोड़ रुपये के ऋण की हेराफेरी के आरोप से संबंधित है।

पूर्व सीएम केसीआर की बेटी कविता पार्टी से निलंबित

हैदराबाद
तेलंगाना की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने अपनी एमएलसी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को पार्टी से निलंबित कर दिया है। बीआरएस ने कहा कि हाल के दिनों में कविता के व्यवहार और उनकी गतिविधियां पार्टी के हितों के खिलाफ रही हैं। उन पर 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' में शामिल होने और संगठन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। बीआरएस ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर राव ने एमएलसी कविता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला लिया है।

सीएम ने यमुना के जलस्तर एवं प्रभावित इलाकों में जलभराव की स्थिति का लिया जायजा

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को गीता कॉलोनी फ्लाइओवर बनाएं गए बाढ़ शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने यमुना के जलस्तर और प्रभावित इलाकों में जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रेखा गुप्ता ने यमुना के डूब रहे क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जाना। गुप्ता ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ हर पल खड़ी है। उन्होंने बताया कि सरकार ने रहने की सुविधा, भोजन, पानी और दवा हर जरूरी इंतजाम पहले से ही कर दिए गए हैं।
गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि किसी भी नागरिक को कठिनाई न हो और हर परिवार सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार जलस्तर पर नजर बनाए हुए है। पिछले छह महीनों में दिल्ली सरकार द्वारा नालों और यमुना की डी-सिल्टिंग का जो व्यापक काम किया गया है, उसका बड़ा लाभ मिल रहा है। पानी का बहाव निर्बाध रूप से जारी है।

दिल्ली दंगा केसः हाईकोर्ट से उमर खालिद और और शरजील की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली
दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपितों उमर खालिद और शरजील इमाम समेत नौ आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। उच्च न्यायालय ने सभी नौ आरोपितों की जमानत याचिका पर 9 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्च न्यायालय ने उमर खालिद और शरजील इमाम के अलावा अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद की जमानत याचिका खारिज की है। जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि अगर आरोपित देश के खिलाफ कार्रवाई करें, तो उनके लिए बेहतर जगह जेल ही है। मेहता ने कहा था कि ये कोई साधारण अपराध नहीं है, बल्कि सुनियोजित दंगों की साजिश रचने का मामला है। मेहता ने कहा था कि दंगों की साजिश रचने के आरोपित इसका प्रभाव पूरे देश में देखना चाहते थे।
इस मामले के आरोपित उमर खालिद की ओर से कहा गया था कि महज व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य होना किसी अपराध में शामिल होने का सबूत नहीं है।
उमर खालिद की ओर से पेश वकील त्रिदिप पेस ने दिल्ली पुलिस की ओर से साक्ष्य के तौर पर पेश किए गए व्हाट्सएप ग्रुप चैटिंग पर कहा था कि उमर खालिद तीन व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल जरुर था, लेकिन शायद ही किसी ग्रुप में मैसेज भेजा हो। उन्होंने कहा था कि किसी व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होना भर किसी गलती का संकेत नहीं है। उन्होंने कहा था कि उमर खालिद ने किसी के पूछने पर केवल विरोध स्थल का लोकेशन शेयर किया था।

पंजाब में जलप्रलयः मोगा में 100 साल पुराना मकान गिरा

चंडीगढ़
मौसम विभाग ने बारिश का रेड और बुधवार को यलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर भी यदि बारिश न थमी तो पंजाब में हालात और बिगड़ सकते हैं।

अमृतसर में भारी बारिश की वजह से घर की छत टूटी, बच्ची की मौत
पंजाब में बारिश और बाढ़ से जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। अमृतसर में भारी बारिश के कारण कच्चे मकान की छत गिर गई। मलबे में दबने से मासूम की मौत हो गई। घटना बाबा बकाला के गांव सठियाल की है। गांव सठियाल में घर की छत गिरने से बच्ची की मौत हुई है।

1988 की बाढ़ खतरनाक थी, हालात बदतर थे
अमृतसर के अजनाला के स्थानीय लोगों का कहना है कि बाढ़ से नुकसान बहुत ज्यादा हुआ है। यहां नहर में कम से कम 20-25 फीट पानी है। पांच दिन हो गए हैं, हमारी फसलें पानी में डूबी हैं। सोमवार से पानी डेढ़ से दो फीट कम हो गया है। हमारी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। लोगों ने कहा कि वर्ष 1988 की बाढ़ देखी है। उस समय हालात और भी बदतर थे। उन बाढ़ों का कोई रिकॉर्ड नहीं है क्योंकि तब मोबाइल फोन और कैमरे नहीं थे। हम सरकार से किसानों के नुकसान की भरपाई करने की मांग करता हैं। हमें अपने गांवों में राहत सामग्री मिल रही है, लेकिन किसानों को हुए नुकसान की भरपाई सिर्फ सरकार ही कर सकती है।

मोगा में बारिश से 100 साल पुराना मकान गिरा
मोगा में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने लोगों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। बीती देर रात गांव घलकलां में एक 100 साल पुराना मकान बारिश के कारण गिर गया।
मकान मालिक गुलजार सिंह ने बताया कि लगातार बारिश होने की वजह से मकान की छत अचानक गिर गई। सौभाग्य से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ क्योंकि परिवार के सदस्य उस समय मकान के दूसरे हिस्से में सो रहे थे। मकान मालिक के अनुसार, हादसे से पहले उन्होंने कुछ जरूरी सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया था, लेकिन बाकी सामान मलबे में दब गया। इस घटना में करीब 7-8 लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।

आप विधायक हरमीत सिंह पुलिस हिरासत से फरार

पंजाब पुलिस ने हरियाणा के करनाल से पकड़ा, पटियाला लाते समय चकमा देकर फरार

चंडीगढ़
पंजाब में अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने वाले सनौर के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस की हिरासत से फरार हो गए।पठानमाजरा व उनके साथियों ने इस दौरान पुलिस पर फायरिंग की और एक पुलिस कर्मी पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। पठानमाजरा को दुष्कर्म के एक पुराने केस के सिलसिले में हरियाणा के करनाल से गिरफ्तार कर पटियाला लाया जा रहा था। पठानमाजरा ने सोमवार को ही अपनी सरकार विरूद्ध आवाज उठाई थी। उन्होंने अपने क्षेत्र में जलभराव के मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर हमला बोला था। इसके कुछ समय बाद ही पंजाब सरकार ने सनौर हलके में सभी थाना व चौकी प्रभारियों को बदल दिया और कई पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया। देर रात पठानमाजरा की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को वापस आने के आदेश जारी कर दिए गए। मंगलवार सुबह पंजाब पुलिस द्वारा उन्हें हरियाणा के करनाल से हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आई है।

अरविंद केजरीवाल ने की बाढ़ग्रस्त पंजाब की मदद करने की अपील

नई दिल्ली
आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज बाढ़ की मार झेल रहे पंजाब राज्य की संकट में मदद करने की अपील की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब की मदद करने और योगदान देने को कहा है। एक वीडियो संदेश में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी सांसद और विधायक अपने एक-एक महीने की तनख्वाह पंजाब मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान कर रहे हैं। पंजाब के लिए वे खुलकर योगदान करने की अपील करते हैं। केजरीवाल ने कहा कि भारत मां का कवच पंजाब आज बाढ़ की त्रासदी झेल रहा। इसकी मदद को आगे आयें। भारत पर जब भी विदेशी हमले हुए, उन्हें पंजाब ने अपने सीने पर लेकर देश की रक्षा की।

योगी सरकार का बड़ा कदमः तीन विश्वविद्यालयों में 948 नए पदों को मंजूरी

468 अस्थायी शिक्षणेतर और 480 आउटसोर्सिंग पदों पर भर्ती करेगी योगी सरकार

लखनऊ
उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के तीन नवगठित विश्वविद्यालयों–गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (मुरादाबाद), मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय (मिजार्पुर) और मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय (बलरामपुर) में कुल 948 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इसमें 468 अस्थायी शिक्षणेतर पद और 480 आउटसोर्सिंग पद शामिल हैं। सरकार का मानना है कि इन पदों के सृजन से विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक और कार्यात्मक व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि होगी और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यूपी बढ़ रहा आगे
उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यह निर्णय विश्वविद्यालयों को मजबूत बनाने के साथ-साथ प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बार-बार स्पष्ट किया है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापरक शिक्षा और रोजगार दोनों उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।
विश्वविद्यालयों में नए पदों का सृजन इसी दिशा में एक ठोस कदम है, जो उच्च शिक्षा को सशक्त और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा।

468 अस्थायी शिक्षणेतर पद
प्रत्येक विश्वविद्यालय में 156 अस्थायी शिक्षणेतर पद सृजित किए गए हैं, जो 28 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेंगे और आवश्यकतानुसार समाप्त भी किए जा सकते हैं।
इन पदों में फार्मासिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, अवर अभियंता, आशुलिपिक, सहायक लेखाकार, कनिष्ठ सहायक, लैब टेक्नीशियन, लैब असिस्टेंट, उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, वैयक्तिक सहायक, लेखाकार, प्रधान सहायक, चिकित्साधिकारी और स्टाफ नर्स जैसे पद शामिल हैं।
इन पदों की भर्ती अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, सीधी भर्ती, पदोन्नति और प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया से की जाएगी।

480 आउटसोर्सिंग पद
इसके अलावा, प्रत्येक विश्वविद्यालय में 160 पद वाह्य सेवा प्रदाता (आउटसोर्सिंग) के माध्यम से पूरे किए जाएंगे, जिससे कुल 480 पद बनते हैं। इनमें कम्प्यूटर ऑपरेटर, स्वच्छकार, चौकीदार, माली, चपरासी, वाहन चालक और पुस्तकालय परिचर जैसे पद शामिल हैं। आउटसोर्सिंग की प्रक्रिया जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी। साथ ही, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, श्रम विभाग और कार्मिक विभाग द्वारा जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
सभी नियुक्तियों में आरक्षण से जुड़े नियमों और प्रक्रियाओं का पालन अनिवार्य होगा।

मंत्री सिरसा ने की गणेश चतुर्थी व दुर्गा पूजा प्रतिमा विसर्जन की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के सभी 11 जिलों के जिला मजिस्ट्रेट के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर गणेश चतुर्थी व आगामी दुर्गा पूजा विसर्जन की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सहज विसर्जन स्थल उपलब्ध कराने के लिए पश्चिम दिल्ली में 20, पूर्व में 16, उत्तर-पश्चिम में 12, दक्षिण-पूर्व में 9, दक्षिण-पश्चिम में 7, शाहदरा, दक्षिण और उत्तर-पूर्व में 5-5, मध्य दिल्ली में 4 तथा उत्तर दिल्ली में एक कृत्रिम तालाब तैयार किए जा रहे हैं। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि हमारा पहला कर्तव्य यमुना को स्वच्छ रखना है, साथ ही हर भक्त को उत्सव मनाने का सही माहौल देना। नदी की बजाय विशेष तालाबों में विसर्जन करके हम परंपरा को जीवित रखते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी निर्वाह कर सकेंगे। पर्यावरण मंत्री को बताया गया कि तालाबों की संख्या व स्थान स्थानीय विधायकों व रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से समन्वय कर तय किए गए हैं, ताकि हर मोहल्ले के निकट सुविधा हो। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग तालाब खुदाई का कार्य कर रहा है, जबकि दिल्ली जल बोर्ड इन्हें स्वच्छ जल से भरेगा।सिरसा ने निर्देश दिया कि विसर्जन के बाद वही पानी सड़क धूल नियंत्रण व पार्क सिंचाई में दोबारा इस्तेमाल हो।

एबीआरएसएम ने किया 'हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान' अभियान का आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के तत्वावधान में पूरे देश में पांच लाख से अधिक स्कूलों में 'हमारा विद्यालय -हमारा स्वाभिमान' अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में देशभर के छात्र और शिक्षकों ने एक साथ पांच सूत्री संकल्प पढ़कर शिक्षा, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह अभियान एबीआरएसएम की व्यापक दृष्टि 'हमारा विद्यालय -हमारा तीर्थ' का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य हर स्कूल में गर्व, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना जगाना है। दिल्ली में आयोजित पत्रकार वार्ता में एबीआरएसएम की राष्ट्रीय महामंत्री गीता भट्ट ने जानकारी देते हुए कहा कि 'हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान' अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में गर्व, जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों की भावना को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का साधन भी है। उन्होंने कहा कि इस पांच सूत्री संकल्प में स्कूलों को स्वच्छ, अनुशासित और प्रेरणादायक बनाए रखने, स्कूल संसाधनों को राष्ट्रीय संपदा मानने, समानता और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने, शिक्षा को चरित्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम मानने तथा स्कूल को सेवा, मूल्य और उत्कृष्टता का तीर्थ मानने का संदेश दिया गया है।

लोक के साथ तनमय हुए बिना कोई कला सार्थक नहीं होती है : प्रो. रजनीश

नई दिल्ली। लोक के साथ तनमय हुए बिना कोई कला सार्थक नहीं होती है। उन्होंने कहा कि समाज आज भी अपनी वास्तविकता को दर्शाने वाले लेखन को स्वीकार करने में असहज हो जाता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्राध्यापक प्रो. रजनीश कुमार मिश्र ने संस्कार भारती के केंद्रीय कार्यालय 'कला संकुल' में आयोजित मासिक कला संगोष्ठी में कहा। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाली यह संगोष्ठी इस बार नाट्य लेखन : सामाजिक दृष्टि, संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केन्द्रित रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ युवा गायिका सुहानी कौशिक और वंशी वादक सुमित शर्मा की सुरमयी प्रस्तुति से हुई। इसके बाद संगोष्ठी का मुख्य सत्र प्रारम्भ हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रोफेसर चंदन चौबे ने सामाजिक दृष्टि से नाट्य लेखनः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर अपना विचारपूर्ण वक्तव्य रखा। उन्होंने नाट्य साहित्य की परंपरा, उसकी सामाजिक उपयोगिता और बदलते समय में उसके नए आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि समाज में भक्ति को प्रदर्शनकारी कलाओं ने सर्वाधिक विस्तार देने का काम किया है। प्रदर्शनकारी कलाओं के माध्यम से लोगों के बीच संस्कृति को पहुंचाया गया है।

लूटपाट के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के कमला मार्केट थाना पुलिस ने लूट की वारदात को महज 24 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने इस संबंध में एक आरोपित को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटी गई नकदी और शिकायतकर्ता का आधार कार्ड बरामद किया है। वारदात में इस्तेमाल हुई ई-रिक्शा भी जब्त कर ली गई है। पकड़े गए आरोपित की पहचान वीरेश उर्फ वीरू (21) के रूप में हुई है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वालसन के अनुसार 30 अगस्त की शाम करीब 7 बजे शाहगंज चौक से अजमेरी गेट तक जा रहे एक यात्री रफी गुल ने ई-रिक्शा किराए पर ली। रिक्शा चालक के साथ एक और युवक बैठा हुआ था। अजमेरी गेट के पास पहुंचने पर जब यात्री उतरा तो ड्राइवर और उसके साथी ने उसे रोककर हमला किया और पर्स लूट लिया। पर्स में करीब 20-25 हजार नकद और आधार कार्ड था। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित मौके से भाग गए और ई-रिक्शा वहीं छोड़ गए। पीड़ित की शिकायत पर थाना कमला मार्केट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

किसानों की शिकायतों, सुझाव एवं अन्य मदद के लिए एक ही समर्पित पोर्टल रहेगा: शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से कॉल सेंटर एवं अन्य पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के समाधान के संबंध में समीक्षा की। कृषि भवन में हुई बैठक में शिवराज सिंह ने अलग-अलग पोर्टल की जगह किसानों की सुविधा के लिए उनकी शिकायतों, सुझाव तथा अन्य सहायता के लिए एक ही समर्पित पोर्टल बनाने और समस्याओं का जल्द से जल्द समुचित निराकरण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से किसानों से मिली शिकायतों की समीक्षा करेंगे ताकि उन्हें त्वरित राहत प्रदान की जा सकें। किसानों से प्राप्त शिकायतों व हेल्पलाइन नंबर पर आ रही कॉल्स को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में कोई देरी

नहीं होना चाहिए। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में सभी अधिकारी पूरी पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं संवेदनशीलता से काम करते हुए व्यवस्था को और सुदृढ करें। व्यवस्था ऐसी होना चाहिए, जिससे कि किसानों की शिकायतों का रीयल टाइम में उचित समाधान हो सकें। हम सभी की कोशिश यहीं होनी चाहिए कि किसान हर हाल में खुशहाल रहें और खेती समृद्ध हों। बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों से, किसानों से मिलने वाली शिकायतों की जानकारी ली, जिसमें अनेक शिकायतें नकली या घटिया खाद-बीज एवं कीटनाशक के संबंध में हैं। शिवराज सिंह ने इन शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से करने का निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें राज्यों में प्रवास के दौरान भी ऐसी शिकायतें मिलती है, किसानों को हमें लुटने से बचाना चाहिए और इसके लिए अमानक खाद-बीज, कीटनाशक की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाना होगी।शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की इन समस्याओं को हल करने में राज्यों की सहभागिता आवश्यक है। वे स्वयं इस संबंध में मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख चुके हैं, आगे वर्चुअल माध्यम से भी राज्यों से चर्चा करेंगे, ताकि किसानों को पूरी तरह से राहत मिल सकें। अवैध बायोस्टियुमिलेंट (जैव उत्तेजक) की पूर्व में हुई बिक्री को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई।

आदि वाणी ऐप की शुरुआत, पांच आदिवासी भाषाओं का हिंदी और अंग्रेजी में हो सकेगा अनुवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। अब मुंडारी, संताली, पुई, गोंडी और भीली आदिवासी भाषा का हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद हो सकेगा। जनजातीय कार्य मंत्रालय की पहल पर आदिवाणी ऐप की शुरुआत की गई। यह जनजातीय भाषाओं का अनुवाद करने में सक्षम है। अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जनजाति मामलों के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस ऐप के जरिये आदिवासी भाषाएं डिजिटल और ग्लोबल होंगी। आदिवासी भाषाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। भविष्य में इसके जरिये लोगों तक जनोपयोगी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।इसको बनाने में आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी रायपुर और बिट्स पिलानी जैसे तकनीकी संस्थानों से मदद की। रांची, रायपुर, ओडिशा और मध्यप्रदेश के जनजातीय शोध संस्थानों ने भाषा और शब्दावलियों को उपलब्ध कराया है। इस ऐप के जरिये टेक्स्ट, वॉइस या डॉक्यूमेंट को बस टाइप या अपलोड करना है। यह उसका अनुवाद तुरंत कर देता है। इसके जरिए आदिवासी भाषा का अनुवाद हिंदी और अंग्रेजी में हो सकता है। फिलहाल ऐप के जरिये पांच आदिवासी भाषाओं को जोड़ा गया है। झारखंड से मुंडारी, ओडिशा से संताली और पुई, छत्तीसगढ़ की गोंडी और मध्यप्रदेश की भीली भाषा शामिल है। भविष्य में इसमें और भाषाओं को जोड़ा जा सकेगा। यह ऐप सिर्फ अनुवाद ही नहीं करता है, बल्कि शब्दकोश का भी काम करता है।

स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने पर रहना चाहिए जोर: सीईईडब्ल्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार हो रही बारिश और हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी के कारण एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। सुबह 9 बजे हथिनीकुंड बैराज से 3 लाख 29 हजार 313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। यह पानी जब यह दिल्ली पहुंच जाएगा तो उस समय बाढ़ जैसे हालात पैदा हो सकती है। इस बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर विशेषज्ञ कई उपाय सुझा रहे हैं जिसमें से बाढ़ के हॉटस्पॉट को चिन्हित करने और आवश्यक कदमों की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए %शहर या स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं% बनाने पर जोर दिया गया है। बाढ़ की स्थिति पर विज्ञप्ति जारी करते हुए काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के फेलो नितिन बस्सी ने कहा कि इस साल मानसून में, यमुना दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पहले ही तीन बार पार कर चुकी है। अनुमान है कि 2 सितंबर की देर शाम तक यह 206 मीटर तक पहुंच जाएगी, क्योंकि हथनीकुंड बैराज से छोड़ा गया 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी अगले 48 घंटों के भीतर दिल्ली के

वजीराबाद पहुंचने की उम्मीद है। जुलाई और अगस्त में अधिक बारिश और पश्चिमी हिमालय में भूमि उपयोग में बदलाव के कारण मानसून के दौरान यमुना में पानी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले से ही जलभराव और स्थानीय बाढ़ की समस्या है, इसलिए हमें अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने की जरूरत होगी। ठाणे और नवसारी में किए गए बाढ़ जोखिम प्रबंधन नियोजन से मिली काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) की जानकारियों के अनुसार बाढ़ के हॉटस्पॉट को चिन्हित करने और आवश्यक कदमों की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए शहर या स्थानीय स्तर पर बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजनाएं बनाने, बाढ़ के मैदानों पर निर्माण गतिविधियों को रोकने व अवैध कब्जों को हटाने के लिए भूमि उपयोग नियमों को बेहतर ढंग से लागू करने, स्थानीय जल निकासी व्यवस्था को बाधित होने से बचाने के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नीतियों को लागू करने, और बाढ़ के अतिरिक्त पानी को सोख सकने वाले शहरी ग्रीन व ब्लू स्थानों को फिर से जीवित करने जैसे कदम उठाने जरूरी हैं।

दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर को लेकर सरकार पूरी तरह तैयार : सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर को लेकर चिंता बढ़ गई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस स्थिति पर बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इससे दिल्ली की जनता को कोई परेशानी नहीं होगी और सारा पानी सुचारू रूप से निकल जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने पत्रकारों को बताया कि हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी दिल्ली पहुंचने में लगभग 72 घंटे का समय लेता है। सीएम ने आश्वासन दिया कि सरकार ने पहले से ही व्यापक तैयारियां की हैं ताकि पानी का प्रवाह सुचारू रूप से निकल जाए।सीएम गुप्ता ने कहा, पिछले छह महीनों में हमने यमुना की सफाई पर विशेष ध्यान दिया है, जिसके कारण पानी रुकने की संभावना नहीं है। यमुना के फ्लडप्लेन में पानी जरूर पहुंचेगा, क्योंकि वहां जगह है, लेकिन दिल्ली के अन्य हिस्सों में इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया, पिछले छह महीने में बेहतरीन डिसेल्टिंग का बहुत

लाभ हुआ है, जिसके कारण बहुत अधिक मात्रा में पानी आने से भी वो अच्छी तरह से आगे निकल जाएगा। आज कहीं भी पानी का ब्लॉकेज नहीं हो रहा है। 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से यमुना का जलस्तर 207 मीटर से थोड़ा ऊपर जा सकता है, लेकिन यह बाढ़ की स्थिति नहीं पैदा करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

इसके अलावा, उन्होंने चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू के मामलों की जानकारी का जिक्र करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर अभी कोई विशेष चर्चा नहीं हुई है। दिल्ली प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों के लिए टीमें तैनात की हैं, और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त किया है कि उन्हें घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हथिनीकुंड से 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण, यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है और आज रात तक यह खतरे के निशान को पार कर सकता है।

भारत अब विश्व की 121 बायो-कंपनियों में से 21 का प्रतिनिधित्व करता है: डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायोई3 (बायोटेक्नोलॉजी फॉर इकोनॉमी, एनवायरनमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट) नीति के तहत हाई-परफॉर्मेंस बायोमैन्युफैक्चरिंग प्लेटफॉर्म्स का शुभारंभ किया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत अब विश्व की 121 बायो-कंपनियों में से 21 का प्रतिनिधित्व करता है। आज हम उन पहले देशों में शामिल हैं, जिन्होंने बायोमैन्युफैक्चरिंग नीति को संस्थागत रूप दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान बायोमैन्युफैक्चरिंग पर केंद्रित होना, भारत को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने और आयात पर निर्भरता कम करने की बड़ी दृष्टि का

हिस्सा है। बायो-एनब्लर्स भारत की बायोटेक्नोलॉजी आधारित विकास की अगली लहर की नींव हैं। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि देश की बायोइकोनॉमी लगभग 10 अरब डॉलर से बढ़कर आज 100 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है, और आने वाले वर्षों में इसे 300 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या एक दशक पहले मात्र 50 थी, जो आज बढ़कर 13,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि बायोमैन्युफैक्चरिंग केवल स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण में नवाचार को ही नहीं बढ़ावा देता बल्कि यह पेट्रोलियम आयात कम करने और देश की भू-राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने में भी योगदान देता है। उन्होंने जोड़ा कि जिस प्रकार ÷आईटी÷ (सूचना प्रौद्योगिकी) 1990 के दशक में भारत की विकास गाथा का पर्याय बन गया था, उसी तरह आने वाले दशकों में बीटी (बायोटेक्नोलॉजी) भारत की विकास यात्रा का अहम शब्द बनेगा।

दिल्ली में जिम मालिक पर हमले का आरोपी पुडुचेरी के होटल से गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में जिम मालिक पर हमला करने के आरोपी को पुलिस ने पुडुचेरी के एक होटल से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कीर्ति नगर निवासी राहुल उर्फ पंकज चौधरी (38) के रूप में हुई है।सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि घटना 11 अगस्त को राजेंद्र नगर में हुई थी। 13 अगस्त को राजेंद्र नगर थाने में हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जिम मालिक ने पुलिस को बताया कि 5 अगस्त को उनके एक क्लाइंट विकास सोलंकी ने उससे दुर्व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद 11 अगस्त को सोलंकी अपने साथियों विक्रम, सरोज, पंकज, राहुल चौधरी, संजय चौधरी और अन्य लोगों के साथ देसी पिस्टल, रिवॉल्वर, लोहे की रॉड और लकड़ी के डंडों से लैस होकर जिम में जबरन घुस आया। आरोपियों ने जिम मालिक पर हमला कर दहशत फैलाने की कोशिश की। डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान राजेंद्र नगर पुलिस ने मुख्य आरोपियों में से एक विकास सोलंकी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, अन्य आरोपी फरार थे। डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ को फरार आरोपियों की तलाश में लगाया गया। गहन जांच और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी राहुल उर्फ पंकज चौधरी पुडुचेरी के एक होटल में छिपा हुआ है। इसके बाद एक विशेष टीम ने पुडुचेरी में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के तौर पर गैर-जिम्मेदार, चुनाव आयोग ने जो पूछा उसका दें जवाब: रविशंकर प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र शालीनता से चलता है। पीएम मोदी को 107 बार गालियां दी गईं। राहुल गांधी में जरा भी शर्म नहीं बची है कि वे आगे आकर कहें कि वह व्यक्ति कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं था, और अगर है भी तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने अभी तक इस घटना की निंदा भी नहीं की है। यह प्रधानमंत्री के प्रति उनकी नफरत को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा, ÷जब भी मैं राहुल गांधी को संसद के अंदर या बाहर सुनता हूं, तो मुझे यह समझने में समय लगता है कि वह क्या कहना चाह रहे हैं। आज उन्होंने कहा है, 'मैंने एटम बम फोड़ दिया है, अब मैं हाइड्रोजन बम फोडूंगा।' एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है? कर्नाटक चुनावों पर उन्होंने जो 'एटम बम' का दावा किया था, वह खोखला साबित हुआ। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में खुद को क्यों अपरिपक्व दिखा रहे हैं? देश को समझना चाहिए, राहुल गांधी गैर-जिम्मेदार हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग को धन्यवाद

कि अब बिहार में बूथ कैप्चरिंग नहीं होती। उन्हें इस बात का गहरा दुख है कि अब वे बूथ कैप्चरिंग नहीं कर सकते, इसलिए वे बार-बार बैलेट पेपर की मांग करते हैं। चुनाव आयोग और एसआईआर के खिलाफ उनकी 'वोटर अधिकार यात्रा' हमें बूथ कैप्चरिंग करने, बैलेट पेपर फाड़ने और घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार और ताकत दो' पर केंद्रित है।' राहुल गांधी की यात्रा आज पटना में समाप्त हो गई। पटना मेरा लोकसभा क्षेत्र है, और उनसे सवाल पूछना मेरा अधिकार है। बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल गांधी हमेशा गाड़ी में आगे रहे और तेजस्वी यादव उनके पीछे। पटना से दो सांसद हैं, एक मैं और दूसरी मीसा भारती। वह कहीं नजर नहीं आईं। तेजस्वी यादव बिहार में नंबर 2 खिलाड़ी क्यों बनकर रह गए हैं? कांग्रेस का यहां कोई वोट नहीं है, वह पूरी तरह से आपके रहमोकरम पर है और आप नंबर 2 खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूछा, ÷राहुल गांधी, क्या हुआ? आप खुद को इतना हल्का क्यों बना रहे हैं? आप विपक्ष के नेता के पद पर बैठे हैं, जो एक गरिमामय पद है। आप अपनी प्रतिभा और योग्यता से वहां पहुंचे हैं, या सिर्फ अपने परिवार की बदौलत, ये पूरा देश जानता है। राहुल गांधी, आप चोरी की बात करने से पहले अपने अंदर झांक कर देखिए। क्या आप नेशनल हेराल्ड केस में जमानत पर बाहर नहीं हैं? मेरा मानना है कि इस सवाल का सबसे पहले आपको जवाब देना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर: बारिश और तेज हवाओं से तापमान में गिरावट

दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर तक कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। वहीं, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। मौसम में आए इस बदलाव ने गर्मी से बेहाल लोगों को बड़ी राहत दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पहले ही 1 सितंबर के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दोपहर और शाम के समय गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई थी, जिसमें बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी शामिल थी। विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार अधिकतम तापमान सामान्य से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को सितंबर की शुरुआत में ही हल्की सर्दी का अहसास होने लगा है।

सदन में राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से बहस की गुणवत्ता होती है प्रभावित : रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन में सार्थक बहस की बजाय बाहरी राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से चर्चाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा के पहले अध्यक्ष चरती लाल गोयल की 98वीं जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल की विनम्रता से लेकर अनुशासन, निष्पक्षता और समर्पण के बल पर हासिल की गई ऊंचाइयों को याद किया। रिजिजू ने 1993 से दिल्ली विधानसभा के सुचारू संचालन में गोयल की भूमिका और उनके द्वारा स्थापित उच्च मानकों को रेखांकित किया। उन्होंने उनके जीवन की सादगी, ईमानदारी और चुनावी राजनीति से स्वेच्छा से दूर होने के दुर्लभ निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरण आज की राजनीति में बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को याद करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति अपने संकल्प को नवीनीकृत करने का अवसर है। रिजिजू ने यह भी उल्लेख

किया कि पिछले कुछ महीनों में वह तीन बार दिल्ली विधानसभा आए और इस अवसर पर आमंत्रित करने के उन्होंने अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर उन्हें इस संस्था के समृद्ध इतिहास से जुड़ने और उसकी लोकतांत्रिक परंपराओं को गढ़ने वाले महान नेताओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह, गांधी स्मृति के वाइस चेयरमैन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर चरती लाल गोयल के जीवन-वृत्त पर आधारित एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया।केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अपने संबोधन में चरती लाल गोयल के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उन्हें दिल्ली की नब्ज समझने वाले, जनसुनवाई करने वाले एक अभिभावक समान नेता बताया। उन्होंने 1995-96 की अपनी स्मृति साझा की, जब वह दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थे और छोटे उद्योगों के स्थानांतरण का मुद्दा उठा। गोयल ने उनकी बातें धैर्यपूर्वक सुनीं और संबंधित मंत्री के साथ तत्काल वार्ता कराई, जिसके परिणामस्वरूप बाद में बवाना इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चरती गोयल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी गरिमामयी छवि, आदर्श आचरण और प्रेरक जीवन हमें यह याद दिलाता है कि सदन की कार्यवाही को शिष्टाचार, परस्पर सम्मान और रचनात्मक संवाद की भावना से संचालित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने आचरण से अपने राजनीतिक विरोधियों का भी सम्मान अर्जित करना चाहिए, जैसा कि गोयल जी ने किया।

सौरभ भारद्वाज का दावा, 'कांग्रेस ने भाजपा को जिताने के लिए लड़ा दिल्ली विधानसभा चुनाव'

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने अपनी जीत के लिए नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ा। उनका दावा है कि कांग्रेस की पूरी रणनीति आम आदमी पार्टी को रोकने पर केंद्रित थी और इसी कारण उन्होंने भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करने का काम किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस की चुनावी गतिविधियों से यह स्पष्ट होता है कि पार्टी का मकसद जीत हासिल करना नहीं था। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक इंटरव्यू में खुद इस बात को स्वीकार किया है कि कांग्रेस ने भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए चुनावी रणनीति बनाई थी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने अपने प्रदेश नेताओं

को निर्देश दिए थे कि आप को हराने के लिए जो भी करना पड़े, करो। अगर इसके लिए बीजेपी को जिताना पड़े तो भी पीछे मत हटो।आप नेता ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन नतीजा शून्य सीटों पर सिमटना रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनावी चंदे में 44 करोड़ से अधिक जुटाए, जबकि आम आदमी पार्टी को मात्र 2000 नकद मिले। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति से अधिकतम 2000 नकद दान लिया जा सकता है, फिर कांग्रेस को इतनी बड़ी रकम कैसे मिली और इस पर जांच क्यों नहीं हुई।सौरभ भारद्वाज ने यह भी आरोप लगाया कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोटरों की हेराफेरी हुई। हजारों वोट काटे गए और फर्जी वोट जोड़े गए। इस मामले में आम आदमी पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। भारद्वाज ने कहा कि यही वोट चोरी का मामला कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में उठाया, लेकिन जब ÷आप÷ महीनों पहले इस मुद्दे को उठा रही थी तब राहुल गांधी ने दिल्ली की स्थिति पर चुप्पी साधे रखी।

संपादकीय

जल प्रलय के सन्देश ?

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे जरूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल व्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिस्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई जिले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्रायः फेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व गैर जिम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रजाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फेंक देने जैसी गैर जिम्मेदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है।

एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये जरूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनजर भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं।

भारतीय पंजाब के जो जिले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फिरोजपुर व फजिल्का के नाम खासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बढ़ का प्रभाव देखने को मिला। दर्जनों पुल टूट गये,सैकड़ों पशु बह गये अनेक वाहन तेज बहाव में समा गये। लाखों एकड़ फसल तबाह हो गयी ,तमाम मकान बह गये या क्षतिग्रस्त हो गये। दर्जनों जगह से हाईवे व मुख्य मार्ग बंद हो गये। और इस प्रलयकारी हालात से जूझने में कई जगह पंजाब का वह किसान स्वयं को असहाय महसूस करता दिखाई दिया जो हमेशा पूरी हिम्मत व हौसले के साथ दूसरों की सेवा सत्कार के लिये तत्पर दिखाई देता है।

एक अनुमान के अनुसार राज्य के 500 से अधिक गांव डूबे गये इन गांवों में लगभग 6,600 से अधिक लोग फंसे थे। अमृतसर के रामदास क्षेत्र में रावी नदी का धुसी बांध टूट गया, जिससे 40 गांव डूब गए। इसी तरह गुरदासपुर में लगभग 150, कपूरथला में करीब 115, और अमृतसर में लगभग 100 गांव इस प्रलयकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुये। गोया इस बार की बाढ़ ने कृषि-प्रधान पंजाब की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बाढ़ के चलते सैकड़ों घर, 300 से अधिक स्कूल अनेक सड़कें, पुल और बिजली लाइनें आदि क्षतिग्रस्त हो गयीं । अमृतसर में गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब डूब गया। कई जगह रेल यातायात बाधित हुआ अनेक ट्रेन्स कैंसिल कर दी गयीं। हाईवे टूटने व क्षतिग्रस्त होने के चलते 1,000 से अधिक सड़कें बंद कर गयीं । अकेले वैष्णो देवी में बारिश के चलते हुये भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें होने की खबर है। अभी तक जो अनुमान लगाया जा रहे उसके मुताबिक धान, गन्ना व मक्का की लगभग 1.5 लाख एकड़ फसल पूरी तरह डूब गई। पंजाब में लगभग 3 लाख एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गयी। इन बाढ़ग्रस्त क्षत्रों के किसानों को सितंबर-अक्टूबर में होने वाली रबी की फसलों में भी नुकसान की आशंका बनी हुई है। पंजाब में आई बाढ़ से हुआ।

झूठ की बुनियाद पर खड़ा ट्रम्प के उम्मीदों का पहाड़ हुआ धराशाई

कहते है कि झूठ का गुब्बारा देर से ही सही परन्तु फूटता जरूर है। झूठ की बुनियाद पर खड़ी उम्मीदों की ईमारत एक दिन धराशाई जरूर होती है।हाथ में संविधान की पुस्तक लेकर चलने से संविधान का पूरा ज्ञान होना नहीं दशार्ता है! ऐसी भ्रमित और झूठी विचारधाराओं से ना तो व्यक्तिगत किसी को लाभ होता है और ना ही जनता उन पर अंधा विश्वास करती है। क्योंकि लोकतंत्र में जनभागीदारी और जनचेतना सबसे बड़े आधारस्तम्भ होते हैं। इसलिए गलत को बार बार सही बोलने से गलत कदापि सही सिद्ध नहीं हो सकता है ठीक वैसे ही जहां तेल भंडार का अता-पता नहीं वहां तेल के दरिया होने का ढिंढोरा पीटना आज पाकिस्तान को बहुत भारी पड़ रहा है।ट्रम्प की कूटनीति को चारों खाने चित्त करने में पुतिन और नरेंद्र मोदी की रणनीति ने ट्रम्प, मुल्ला मुनीर और शहबाज शरीफ के पुलावी मनसूबों पर पानी फेर दिया है। रेत के मरुस्थल और पथरीले जंगलों में कालाबाजारी का ईरान से चुराया तेल खड्डों में भरा पड़ा था ट्रम्प और मुनीर उसी को पाकिस्तान में तेल के दरिया बता रहें थे। ढोल की पोल खुलते ही ट्रम्प की जग हंसाई और मुल्ला मुनीर को अपने ही वतन में कड़ी फटकार और जनता कि आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। पुतिन और मोदी की घेराबंदी से ट्रम्प और पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। चीन के तियानजिन में एससीओ सम्मिट में शहबाज शरीफ का चेहरा और बाडी लैंग्वेज पर पूरी दुनिया के मीडिया ने खिंचाई की है। एससीओ सम्मिट से यह तो स्पष्ट हो चुका है कि जीरो टारलेंश की नीति के लिए सभी एक जुट होकर सहमत हुए हैं कि आतंकवाद, आतंकी और इनके पनाहगाह देशों, कट्टर नेताओं और इनके समर्थकों को सजा देना ही अब एकमेव रणनीति होंगी। पाकिस्तान के आर्तकियों के लिए यह खबर किसी मातम से कम नहीं है। क्योंकि पहलगांव कि उस भयावह अमानवीय घटना पर भारत ने जो आपरेशन सिंदूर चलाया था उससे पूरी दुनिया ने महसूस कर लिया था कि हर तरह का आतंकवाद समस्त मानवता के लिए,देश विकास के लिए, शिक्षाऔर व्यापार उद्योग के लिए ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राजनीति के लिए भी सबसे

बड़ा खतरा बन चुका है।भारत ने पाक का इलाज कर आपरेशन सिंदूर को खत्म ना कर पाकिस्तान कि अवाम और उसके आकाओं के लिए रातों और दिनों की नींद भी हराम कर रखी है। दुनिया भी समझ चुकी है कि पाकिस्तान और अमेरिका कभी भीई विश्वास के लायक ना पहले थे और ना ही आज। पानी की भीख मांगते शहबाज शरीफ ने बड़ी उम्मीदें लगाई थी कि एससीओ में उन्हें न्याय मिलेगा परन्तु मोदी कि विदेशी कूटनीति के चलते मुल्ला मुनीर और शहबाज ने अपनी अवाम से किए वादें भी एससीओ की बैठक में हवा-हवाई हो चुकें हैं।अब ऐसे में शहबाज शरीफ के पास अमेरिका के अलावा कोई भी देश उम्मीद की किरण नहीं है परन्तु पाक का दुर्भाग्य यही है कि वह ना तो एक अच्छा लोकतांत्रिक देश ही साबित हो रहा है और ना ही आतंकवादियों का स्वयं आगे बढ़कर उनका खात्मा कर पा रहा है।इस तरह पाक दुनिया को भी धोखा दे रहा है और अवाम को भी। सेना कि नाक के नीचे सरकार चलाने वाले शहबाज शरीफ को मुल्ला मुनीर से पंगा लेना भी भारी पड़ सकता है इसलिए शहबाज ने और मुनीर ने अपने अपने पसंद के देशों से भीख मांगने का काम बांट रखा है। ताकि मुनीर कि हुकूमत शाही परचलती रहें और शहबाज की कुर्सी भी बचीं रहें। मरियम का सीएम पद भी बना रह सकें और पर्दे के पीछे भ्रष्टाचार का खजाना भी धीरे-धीरे भरता रहें।

ट्रम्प की नीतियों पर भारी पड़ा एससीओ

ट्रम्प ने भारत पर पचास प्रतिशत टेरिफ लगाकर स्वयं की फजीहत करवा ली है।इधर भारत ने बिना देर किए और पहले ही ट्रम्प की कूटनीति को भांप कर यूरेशिया (यूरोप और एशिया) आस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका,के देशों में व्यापार टीम और उद्योग विशेषज्ञों को भेजकर भारतीय उद्योगपतियों,व्यापारियों और बैंकिंग सिस्टम को भी सरल और तरल बनाने के प्रयासों के चलते भारत पूरी हिम्मत से विश्व मंच पर डटा हुआ है। चीन के तियानजिन में एससीओ सम्मिट से यह भी स्पष्ट हो चुका है कि अब भविष्य में भारत एक उभरती हुई महाशक्ति क जल्दी ही रूप लेने वाला है और भारत को , ट्रम्प की हरकतों के चलते चीन का भी बड़ा समर्थन मिलने की कयावद आरंभ हो चुकी है।

रुस तो सत्तावन सालों से भारत के प्रति अपनी बेजोड़ दोस्ती, ईमानदारी और सच्चाई का सबूत हमेंशा देता रहा है और आगे भी रूस अपना धर्म निभाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ने वाला है।

यह आज अमेरिका, बंगलादेश और पाकिस्तान को भी एक चुनौती के रूप में भारत कि स्वतंत्र कूटनीति को गंभीरता से समझ चुकें हैं। ट्रम्प का टेरिफ कार्ड, हठधर्मिता का आलम, विश्व मंचों पर ट्रम्प का तानाशाही रवैया, मुफ्त की दादागिरी से दुनिया के विकासशील और विकासन्नोंमुख देशों में अपना दबदबा कायम करने का हिटलरी आचरण आज चीन के तियानजिन एससीओ सम्मिट में धरा का धरा रह गया। रूस ,भारत और चीन की तिकड़ी ने वह कर दिखाया जो इसके पहले कभी एक साथ हुई बैठकों में देखने को नहीं मिला था। तब कि दुनिया में राजनैतिक,आर्थिक सामाजिक, भौगोलिक और व्यापारिक स्थिति अलग थी । आज दुनिया में हालात इस कदर बदल चुकें हैं कि हर कोई देश अमेरिका के सत्ता ,प्रशासन पर भड़ास निकाल रहा है। ट्रम्प की अमानवीयता और अव्यावहारिकता ने समुची दुनिया में हड़कंप मचा रखा हैं।और इसके परिणाम भी तियानजिन एससीओ सम्मिट में देखने को मिल चुकें हैं। तियानजिन एससीओ सम्मिट में भारत ने पूरजोर अपनी समस्याओं के प्रति आएं हुए सभी देशों के प्रमुखों का ध्यान खींचा है। जिनपिंग ने भी सहजता से भारत के मुद्दों को गंभीरता से लेकर आतंकवाद, उनके आकाओं को सजा देने के समर्थन में मोहर लगा दी है। वहीं रूस ने भारत की बढ़ती लोकप्रियता और अंतरिक्ष में बढ़ती तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए ट्रम्प को कड़ा करारा जवाब दे दिया है। जिनपिंग की भारत के प्रति बढ़ती निकटता से भी ट्रम्प को एक बड़ा झटका लग चुका है। भविष्य में रूस, भारतऔर चीन (रिक) जो भी बड़ा कदम उठाएंगे उससे निश्चित ही अमेरिका की बौखलाहट और भी बढ़ना लाजमी है।इस कड़वाहट और बदलते राजनैतिक समीकरण से पाकिस्तान, तुर्की, बंगलादेश और तमाम भार विरोधियों को करारा झटका अभी से लग चुका है। अगली मेजवानी भारत करने वाला हैतब तक संभवतः एक नवीन अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा का भी जन्म हो चुका होगा और शायद तबतक एक नई महाशक्ति कि परिभाषा भी इतिहास में दर्ज हो चुकीं होगी।

शहबाज शरीफ,मुल्ला मुनीर और ट्रम्प की नींद तियानजिन के एससीओ सम्मिट के बाद से ही हराम हो चुकीं हैं। चीन अपना बकाया मांगने के लिए पाकिस्तान को आगाह कर चुका है।

वोट चोरी वालों को करारा झटका

आज सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव आयोग एक निष्पक्ष और स्वतंत्र इकाई है। वोट चोरी का माहौल जिस तरह से पूरे देश में एक आंदोलन के रूप में खड़ा किया जा रहा था और आम जनता को भी बेवजह गुमराह किया जा रहा था। आज सीजेआई की पीठ ने साफ कर दिया कि जो वोटर लिस्ट से बाहर कर दिए गए हैं उनकी जांच पड़ताल होने पर ही कोई निर्णय हुआ होगा और मतदाताओं के लिए जो पहचान सबूत रहेंगे वो भी पर्याप्त और सभी के लिए स्वीकार्य भी है। ऐसे में वोटर चोरी के मुद्दों पर अन्य आपत्तियों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने दावों को खारिज कर दिया है। इससे बिहार की राजनीति में भी एक का वैचारिक और राजनैतिक भूचाल आना स्वाभाविक ही है।

हिन्दी शिक्षकों की कमी : शिक्षा की आत्मा पर संकट

डॉ सत्यवान सौरभ

हरियाणा विधानसभा में हाल ही में प्रस्तुत आँकड़े यह चौंकाने वाले तथ्य सामने लाते हैं कि प्रदेश के चौदह हजार दो सौ पचानवे विद्यालयों में से सोलह हजार आठ सौ चालीस पद अध्यापकों के रिक्त पड़े हैं। यह केवल संख्या नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गहरी चिन्ता का विषय है। और सबसे अधिक चिन्ताजनक तथ्य यह है कि इन रिक्तियों में सर्वाधिक पद हिन्दी विषय के अध्यापकों के हैं।

हिन्दी केवल एक विषय नहीं, बल्कि सम्पूर्ण शिक्षा का आधार है। भाषा वह माध्यम है, जिसके जरिये बालक अन्य सभी विषयों को समझता है। यदि भाषा में पकड़ नहीं होगी तो गणित के सूत्र, विज्ञान के सिद्धान्त और सामाजिक विज्ञान के प्रश्न भी अधूरे रहेंगे। इसीलिये हिन्दी अध्यापकों की भारी कमी केवल भाषा शिक्षा का संकट नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तन्त्र की कमजोरी का संकेत है।

किसी भी समाज की शिक्षा व्यवस्था उसकी मातृभाषा पर आधारित होती है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में हिन्दी करोड़ों लोगों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। हरियाणा जैसे हिन्दीभाषी राज्य में बच्चों के लिये पहली शिक्षा हिन्दी के माध्यम से ही होती है। यदि हिन्दी पढ़ाने वाले अध्यापक ही पर्याप्त नहीं होंगे, तो बच्चे न केवल भाषा में पिछड़ेंगे बल्कि अन्य विषयों को भी सही ढंग से आत्मसात नहीं कर पाएँगे।

आज स्थिति यह है कि प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक हजारों पद खाली पड़े हैं। हिन्दी की कक्षाएँ कई स्थानों पर या तो बिना अध्यापक के चल रही हैं या फिर अस्थायी अध्यापकों के भरोसे हैं। इसका सीधा प्रभाव बच्चों की लिखने-पढ़ने की क्षमता पर पड़ रहा है।

बच्चे शब्दों का सही उच्चारण, वाक्य निर्माण और व्याकरण में दक्ष नहीं हो पा रहे हैं। जब भाषा में पकड़ कमजोर होगी तो गणित, विज्ञान या इतिहास पढ़ते समय भी विद्यार्थी समझ नहीं पाएँगे। आज प्रत्येक परीक्षा में हिन्दी अनिवार्य है। अध्यापक की कमी से विद्यार्थियों की तैयारी अधूरी रह जाती है। भाषा केवल शिक्षा का माध्यम नहीं, संस्कृति का वाहक भी है। हिन्दी से दूरी का अर्थ है अपनी जड़ों से दूरी।

हरियाणा सरकार ने कौशल रोजगार निगम के माध्यम से अब तक एक लाख उन्तीस हजार चार सौ तीस नियुक्तियाँ की हैं। इसमें आरक्षण और कोटा भी लागू किया गया है। किन्तु यह नियुक्तियाँ अधिकतर अस्थायी हैं। स्थायी भर्ती की गति अत्यन्त धीमी है। आंगनबाड़ी कार्यकताओं के दो हजार आठ सौ छप्पन पद रिक्त हैं। सहायकों के चार हजार आठ सौ नौ पद खाली हैं। स्नातकोत्तर अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक और प्राथमिक स्तर पर भी हजारों पद खाली हैं। हिन्दी विषय में रिक्तियों की संख्या सबसे अधिक है।

सरकार के अनुसार भर्ती प्रक्रिया जारी है, किन्तु अस्पष्ट नीतियों, आरक्षण विवाद, और प्रशासनिक विलम्ब के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है। भर्ती प्रक्रिया में विलम्ब, निजीकरण का दबाव, सामाजिक मानसिकता और नीति-निर्माण में लापरवाही ने इस समस्या को और गम्भीर बना दिया है। विज्ञान और गणित को प्राथमिकता देते हुए हिन्दी को सहायक विषय की तरह देखा गया, जबकि यह शिक्षा की आत्मा है।

इस समस्या का समाधान केवल संख्यात्मक नियुक्तियों से नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण भर्ती और प्रशिक्षण से ही सम्भव है। रिक्त पड़े हिन्दी अध्यापकों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाए। अस्थायी व्यवस्था से शिक्षा का स्तर नहीं सुधरेगा। स्थायी अध्यापकों की नियुक्ति अनिवार्य है। केवल नियुक्ति ही पर्याप्त नहीं, अध्यापकों को समय-समय पर आधुनिक पद्धतियों और तकनीक का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। हिन्दी विषय को कम महत्त्वपूर्ण मानने की मानसिकता बदली जानी चाहिए और ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में समान रूप से नियुक्ति होनी चाहिए।

आज जब भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना लेकर विश्व पटल पर अपनी पहचान बना रहा है, तब हिन्दी की महत्ता और भी बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक वैश्विक मंचों पर हिन्दी का प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे में यदि हमारे ही बच्चों को हिन्दी का बुनियादी ज्ञान नहीं मिलेगा तो यह विडम्बना ही होगी। हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा है। इसे सुदृढ़ करना अर्थात् पूरे शिक्षा तन्त्र को सुदृढ़ करना है। यदि हम बच्चों को हिन्दी में सक्षम बनाएँगे तो वे अन्य सभी विषयों में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाएँगे। हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था में सोलह हजार आठ सौ चालीस रिक्त पद केवल प्रशासनिक आँकड़ा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी की चिन्ता है।

और हिन्दी विषय में सबसे अधिक कमी होना इस चिन्ता को और गहरा बना देता है। सरकार को चाहिए कि भर्ती प्रक्रिया को तीव्र करे, स्थायी नियुक्तियाँ सुनिश्चित करे और भाषा शिक्षा को प्राथमिकता दे। यदि हिन्दी अध्यापकों की कमी पूरी नहीं की गई तो यह केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक विकास का भी नुकसान होगा।

हमें यह समझना होगा कि भाषा ही शिक्षा की आत्मा है। आत्मा के बिना शरीर जितना निष्प्राण होता है, शिक्षा भी भाषा के बिना उतनी ही निर्जीव है।

अमेरिकी टैरिफ भारत के पास नए शानदार अवसर

डां हेमलता गांधी
सामाजिक विश्लेषक

अमेरिका के टैरिफ ने भारत को जाग्रत कर दिया भारत के पास अपनी क्षमता दक्षता ताकत को दिखाने का बेहतरीन अवसर मिल गया । हम अमेरिका के इस व्यवहार से भारत को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे तो यह हमारे लिए परीक्षा का समय है साथ ही भारत महाशक्ति कैसे बनेगा एवम्-विकसित भारत विजन - 2047 का रोड़ मैप बनाने का मौखा । पिछले 11 साल से मोदी सरकार ग्लोबल सोच को लेकर वासुधेव कुटुम्बकम एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य ,राष्ट्र निर्माण ,आधुनीकरण , डिजिटल इन्डिया ,मैन्युफैक्चरिंग ,आधौगीकरण ,मार्केट , सप्लाई चैन,टेक्नोलॉजी की ओर भारत का बेहतरीन प्रर्दशन होने के साथ वैश्विक बाजार मे भारत को शानदार संभावना वाला देश माना जा रहा है हर कोई देश भारत मे निवेश करने को तैयार है ऐसे मे अमेरिका ने अपने पैरो पर कुल्हाड़ी मारी है । क्योंकि इस उभरते भारत से जो अलग होगा वो ही नुकसान मे रहेगा ।।

अब जबकि भारत का मूल मंत्र देश को आत्मनिर्भर बनाना तथा प्रत्येक नागरिक मे राष्ट्रीय भावना ,स्वदेश प्रेम का जागरण हमे अपने देश की गरीबी बेकारी बेरोजगारी को खत्म करने के लिए सेल्फ सस्टेनेबल मांडल पर काम करना पडेगा क्योंकि किसी भी देश पर निर्भर होने का समय नही है यह भीषण प्रतिस्पर्धा के साथ हर देश दूसरे देश पर दबाव बना रहा है ऐसे मे भारत ने हमेशा सहयोग मित्रता का व्यवहार अपनाया है हमारे लिए यह आगे देखने का समय है भारत गांवो शहरों मे दबे छिपे हुनर कौशल को पुनः जीवित कर देश मे उत्साह का वातावरण पैदा करेगा ।हम विभिन्न क्षेत्रो मे भारतीय निर्यात कम्पनियों को किसी एक देश के साथ नही पचासों देशो के साथ जोड़ सकते है ।आज भारत की शक्ति युवा है जो इनोवेशन नवाचार शोध अनुसंधान रिर्सच स्पेस साइन्स जैसे सेक्टरो मे परचम लहरा रही है भारत अब दर्शन नही निमार्ता की श्रेणी मे आ गया है । भारत की आवाज को वैश्विक स्तर पर सुना भी जा रहा है तथा अनुसरण भी किया जा रहा है ऐसे मे भारत के लिए नए आर्थिक सुधारों का मार्ग और जलवायु सुधार का विजन हम हर एक देश को स्वदेशीकरण कि भावना से देगे हम सब पृथ्वी की क्षमता मे रहकर काम करेगे स्थानीय उत्पादन, स्थानीय तकनीक, स्थानीय संसाधन, स्थानीय उपभोग, स्थानीय लोग ,स्थानीय पूंजी ,स्थानीय मार्केट , स्थानीय लघु कुटीर उधोगों को बढावा मिलेगा खाली हाथों को काम मिलेगा स्वालम्बन स्वाभिमान से देश आत्मनिर्भर बनेगा ।। अमेरिका के दोगलेपन ने सब की नींद खोल दी हमे नये सिरे से देश के भीतर तथा देश के बाहर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है ।। माननीय प्रधानमंत्री जी का विकसित भारत विजन, जीरों कार्बन उत्सर्जन ,नये कानूनों ,नये आर्थिक सुधारों ,भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ हम सब वैश्विक चुनौतियों के साथ अवसरों का रास्ता खोजेगे ।।

(यह लेखक के अपने स्वयं के स्वतंत्र विचार हे)

क्या वापस गुजेंगे गगन में हिंदी चीनी भाई भाई के नारे?

अशोक भाटिया

क्या 1954 का वह नारा फिर बुलंद होगा? क्या हिंदी-चीनी वाकई भाई-भाई साबित होंगे? दरअसल जब यह नारा गूंजा था, तो चीन ने भारत की पीठ में छुरा भी घोंपा था। हमें 1962 का युद्ध झेलना पड़ा, पराजित हुए और हजारों वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा भी कर लिया। वह कब्जा आज भी यथावत है। वह कालखंड बहुत पीछे गुजर चुका है। आज न तो 1962 वाला दरिद्र-सा भारत है और न ही भारत की तुलना में चीन इतना ताकतवर है कि जहां चाहे, कब्जा कर ले। पूर्वी लद्दाख का ताजा उदाहरण हमारे सामने है। करीब 4-5 साल के टकराव और तनाव के बाद, अंततः, भारत और चीन में आपसी समझौता हुआ है। चीन आक्रांता था। हमें अपने देश की सीमाओं और जमीन की रक्षा करनी थी, लिहाजा चीन को झुकना पड़ा है और भारत के पक्ष को मानने को बाध्य होना पड़ा है। सेना और राजनयिक स्तर की 31 उच्च स्तरीय बैठकों के बाद यह सर्वसम्मति बनी है कि अप्रैल, 2020 की स्थितियों को बहाल करना होगा। दोनों सेनाएं उस बिंदु तक पीछे हटेंगी। अभी तक हालात ऐसे थे कि भारत-चीन के करीब 50,000 सैनिक (प्रति पक्ष) तैनात थे। वे हथियारबंद थे। तोपखाने के सामने तोपखाना तैनात था। टैंक के मुकाबले टैंक था। यह बराबर की तैनाती बेहद तनावपूर्ण थी। जून, 2020 में गलवान घाटी में चीन ने एकतरफा हमला किया, जिसमें भारत के 20 जांबाज सैनिक शहीद हुए, लेकिन भारत ने जल्द ही पलटवार किया और चीन के 40-45 सैनिक ढेर कर दिए। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और सूचना-तंत्र ने इस पलटवार के खुलासे किए। रूस ने भी दुनिया के

सामने स्पष्ट किया कि चीन के सैनिक मारे गए हैं। यह दीगर है कि चीन ने आज तक इसे स्वीकार नहीं किया। लद्दाख के टकराव और तनावग्रस्त माहौल में गलवान ही निर्णायक बिंदु साबित हुआ। अंततः चीन ने महसूस किया कि वह इस बार के युद्ध में भारत से जीत नहीं सकेगा। भारत अब सैन्य स्तर पर ताकतवर देश बन चुका है। चीन के सैनिकों ने डोकलाम पठार के टकराव में भी भारत की ताकत का अनुभव कर लिया था।

लद्दाख क्षेत्र में कुछ और टकराव भी हुए, जिनमें हमारे सैनिकों ने चीनियों को जमकर पीटा और उसके कब्जाई मंसूबों को नाकाम कर दिया। कमाल की बात यह है कि एक ओर युद्ध-सी स्थितियां थीं, लेकिन दूसरी तरफ चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बना रहा। हालांकि वह कारोबार निरंतर घाटे का रहा है। आयात-निर्यात में व्यापक असमानताएं हैं।

बहरहाल तमिलनाडु के महाबलीपुरम में 2019 में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आखिरी द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। चूंकि अब महत्वपूर्ण समझौता हुआ है और उसकी प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से शुरू होगी, लिहाजा रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और चीन के शीर्ष नेताओं के दरमियान एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद हुआ है, तो फिलहाल मानना चाहिए कि पांच साल तक जाम रही बर्फ अब पिघलने लगी है। यह वैश्विक स्तर पर युद्ध और घोर तनाव का दौर है। रूस, भारत, चीन तीनों देश ही ब्रिक्स के संस्थापक हैं। यदि वे आपस में ही टकराव करते रहेंगे, तो पश्चिम का मुकाबला नहीं कर पाएंगे और ब्रिक्स एक वैश्विक स्तर का मंच नहीं बन पाएगा। मौजूदा टकरावपूर्ण क्षेत्र में पेंगोंग लेक उत्तर और दक्षिण, गलवान, हॉट स्प्रिंग, गोगरा आदि से भारत-चीन की सेनाएं पहले ही हट चुकी हैं। डेपसांग और डेमचौक में अभी स्थिति यथावत है। सेनाएं किस बिंदु तक गश्त कर पाएंगी, यह अभी स्पष्ट होना है। अभी सर्दी का मौसम उस क्षेत्र में शुरू हो चुका है, लिहाजा सेनाओं की गश्त सीमित रह सकती है, लेकिन गर्मियों के दौरान स्पष्ट होगा कि समझौता जमीन पर कितना कारगर होता है? अभी हिंदी-चीनी, भाई-भाई के सपने नहीं पालने चाहिए। बेशक भरोसा करना चाहिए और विश्वास बहाली की सार्थक कोशिशें करनी चाहिए, लेकिन चीन की फितरत को दुनिया देख चुकी है, लिहाजा अभी से भरोसा करना गंभीर गलती होगी, यह देश के रक्षा विशेषज्ञों का मानना है।

चीन के अंदरूनी हालात भी अच्छे नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। बेरोजगारी के कारण असंतोष है। विकल्प के तौर पर भारत उभर रहा है और विश्व की बड़ी कंपनियां यहां अपने उत्पादन-केंद्र स्थापित कर रही हैं। चीन इस चुनौती को समझता है। बहरहाल समझौते का स्वागत है। देखते हैं कि चीन की फितरत में कोई बदलाव आया है अथवा नहीं।

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से उपजे हालात के बीच चीनी विदेशमंत्री वांग यी का भारत दौरा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा की चर्चा ने एक बार फिर दोनों देशों के रिश्तों को चर्चा में ला दिया है।

ऐसा लगता है कि ट्रंप के दबाव का मुकाबला करने के लिए भारत का चीन के साथ संबंध सुधारने के अलावा कोई चारा नहीं है। मोदी सरकार की चीन नीति में साफ-साफ यूटर्न नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल ये है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फरर) और भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के उस कथित राष्ट्रवादी प्रचार का क्या होगा जो चीन को दुश्मन बताते हुए दीवाली पर चीनी झालरों के बहिष्कार की वकालत करता है? सवाल यह भी है कि क्या भारत की विदेश नीति पेंडुलम बन गई है, जो कभी अमेरिका की ओर झुकती है, तो कभी चीन की ओर?

7 मई 2025 को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो 10 मई तक चला। इस अभियान में भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को नष्ट किया।

रूस पर यूरोपीय संघ नेता के विमान की नेविगेशन प्रणाली में हस्तक्षेप का संदेह

एजेंसी

सोफिया (बुल्गारिया)। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के विमान को बुल्गारिया के ऊपर उड़ान के दौरान जीपीएस सिग्नल जैमिंग का सामना करना पड़ा, जिसे अधिकारियों ने रूस की ओर से किए गए संभावित हस्तक्षेप के रूप में देखा है। यूरोपीय आयोग की प्रवक्ता एरियाना पोदेस्ता ने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से प्लोवदीव हवाई अड्डे पर उतरा और वॉन डेर लेयेन अपनी पूर्वी यूरोपीय संघ सदस्य देशों की निर्धारित यात्रा जारी रखेंगी। प्रवक्ता ने कहा, हमें बुल्गारियाई अधिकारियों से जानकारी मिली है कि यह हस्तक्षेप रूस की जानबूझकर की गई कार्रवाई का नतीजा हो सकता है। हम पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जैमिंग हुई थी। यह घटना उन कई मामलों में से एक है, जिनमें रूस पर जीपीएस सैटेलाइट नेविगेशन में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप के आरोप लगे हैं। पिछले कुछ महीनों से रूस की सीमा से सटे देश फिनलैंड, लातविया, लिथुआनिया और एस्टोनिया बार-बार ऐसे हस्तक्षेप की चेतावनी देते रहे हैं, जिससे उड़ानों, जहाजों और ड्रोन पर असर पड़ रहा है। बुल्गारियाई प्रशासन ने बताया कि वारसॉ से प्लोवदीव की उड़ान के दौरान विमान का जीपीएस सिग्नल बाधित हो गया। लैंडिंग के समय सिग्नल पूरी तरह से गायब हो गया, जिसके बाद पायलटों को वैकल्पिक नेविगेशन सिस्टम का उपयोग करने का निर्देश दिया गया।

चीन और रूस ने दिया ईरान का साथ, यूरोपीय देशों के प्रतिबंध बहाली की पहल का विरोध

दुबई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य चीन और रूस ने ईरान का समर्थन करते हुए यूरोपीय देशों द्वारा तेहरान पर पुराने प्रतिबंध फिर से लागू करने के कदम को खारिज कर दिया। यह प्रतिबंध करीब एक दशक पहले परमाणु समझौते के तहत हटाए गए थे। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा लागू किए गए तथाकथित स्नैपबैक मैकेनिज्म के तहत प्रतिबंध बहाली की पहल को लेकर चीन, रूस और ईरान के विदेश मंत्रियों ने एक संयुक्त पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें इस कदम को कानूनी और प्रक्रियागत रूप से त्रुटिपूर्ण बताया गया। गौरतलब है कि चीन और रूस भी 2015 के ईरान परमाणु समझौते के हस्ताक्षरकर्ता रहे हैं, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी भी शामिल थे। हालांकि, अमेरिका ने 2018 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान इस समझौते से खुद को अलग कर लिया था। यूरोपीय देशों ने पिछले हफ्ते यह तंत्र सक्रिय किया था, यह आरोप लगाते हुए कि ईरान ने समझौते का उल्लंघन किया है। इस समझौते के तहत ईरान को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबंधों से राहत मिली थी, बदले में उसे अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित रखना था।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शक्तियों का दुरुपयोग है।

चीनी विदेश मंत्रालय के बयान को प्रधानमंत्री ओली के सलाहकार ने किया खारिज

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के आर्थिक सलाहकार डॉ. युवराज खतिवडा ने चीनी विदेश मंत्रालय के उस बयान को झूठ बताया है, जिसमें कहा गया है कि नेपाल ने ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) के लिए समर्थन व्यक्त किया है। डॉ. खतिवडा ने कहा कि इस बैठक के दौरान उन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर चर्चा हुई, जिन्हें दोनों पक्ष समझौतों और सहमतियों के कार्यान्वयन के लिए प्राथमिकता देंगे। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) प्लस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री ओली और चीनी राष्ट्रपति शी ने 31 अगस्त को तियानजिन में द्विपक्षीय बैठक की थी। बैठक के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल ने चीन के प्रस्तावित वैश्विक विकास पहल (जीडीआई), वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई) और वैश्विक सभ्यता पहल (जीसीआई) का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री ओली तथा चीनी राष्ट्रपति शी के बीच बैठक में शामिल डॉ. खतिवडा ने कहा कि नेपाल सरकार, नेपाल के संविधान और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति के प्रति प्रतिबद्ध है और किसी भी देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा नहीं बनेगी। खतिवडा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली की यात्रा मुख्यतः एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए है। शिखर सम्मेलन के दौरान हुई बातचीत में किसी समझौते या सहमति पर हस्ताक्षर नहीं किए गए।

प्रधानमंत्री ओली ने चीन में कंबोडिया, मालदीव और लाओ के राष्ट्रध्यक्षों से की द्विपक्षीय मुलाकात

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की। उन्होंने कंबोडिया के अपने समकक्ष हुन मानेत, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू और लाओ के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं हैं। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट के साथ बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और आपसी सहयोग के क्षेत्रों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए नेपाल-कंबोडिया संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने संबंधों को और मजबूत करने के लिए उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के महत्व को भी रेखांकित किया। बैठक में ओली के प्रतिनिधिमंडल में पूर्व उप प्रधानमंत्री और सांसद पूर्ण बहादुर खडका, शिक्षा मंत्री रघुजी पंत, पर्यटन मंत्री बद्री पांडे, पूर्व मंत्री और आर्थिक सलाहकार डॉ. युवराज खतिवडा, सांसद छवि लाल बिश्वकर्मा और विदेश सचिव अमृत बहादुर राई शामिल थे।

भारत के साथ दशकों की साझेदारी को ट्रंप ने 'तहस-नहस' किया : पूर्व अमेरिकी एनएसए बोल्टन

एजेंसी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप की पहली सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन ने भारत के प्रति ट्रंप प्रशासन की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने भारत के साथ दशकों से चली आ रही साझेदारी को तहस-नहस कर दिया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने स्काई न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के हफ्तों में भारत के साथ दशकों की साझेदारी को बिगाड़ दिया है। ट्रंप ने भारत को रूस और चीन के करीब जाने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने बताया कि ट्रंप 2.0 से पहले, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ और चीन के साथ उसके लगाव से दूर करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिमी देश, खासकर अमेरिका,

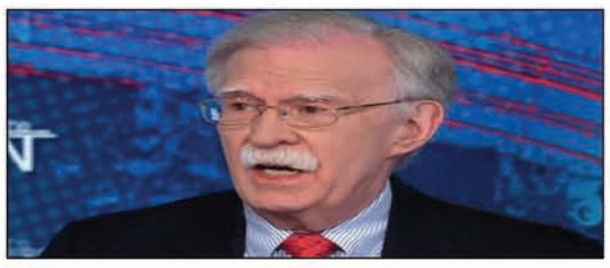

दशकों से भारत को सोवियत संघ और रूस से पुराने रिश्तों, खासकर हथियारों की खरीद, से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत को चीन के खतरे के बारे में चेतावनी दी, जिसका प्रतीक एशियाई सुरक्षा चतुर्भुज (जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका) है बोल्टन ने यह भी बताया कि ट्रंप प्रशासन ने कई कदम उठाए, जैसे व्यापार वार्ताओं को अचानक रोकना, जिससे भारत नाराज हुआ। जॉन बोल्टन ने कहा कि भारत सोच रहा था कि वह ट्रंप के साथ व्यापार समझौते के करीब है, जैसा कि ब्रिटेन ने किया, लेकिन ट्रंप ने इसे नजरअंदाज कर 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसके बाद ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ थोप दिया। उन्होंने रूस पर कोई टैरिफ नहीं लगाया। ट्रंप ने चीन, जो रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा खरीदार है, पर कोई टैरिफ नहीं लगाया। बोल्टन ने दावा किया कि ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष का पूरा श्रेय लेने की कोशिश की, जिससे स्थिति और खराब हो गई। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हुए एक आतंकी हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा, तो स्थिति पहले बिगड़ी, लेकिन बाद में शांत हो गई। ट्रंप ने इसका पूरा श्रेय खुद लिया और कहा कि उन्होंने इस साल छह या सात युद्ध रोके, जिसके लिए वे नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। इससे भारत बहुत नाराज है।

रूस के राष्ट्रपति से नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने की मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन के टियांजिन में मौजूद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत की। यह बैठक हुई और तियांजिन के मेक्सियांग सम्मेलन केंद्र में लगभग आधे घंटे तक चली। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मामलों पर चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी उड़ान का प्रस्ताव रखा है। प्रधानमंत्री ओली के साथ दौरे पर गए उनके आर्थिक सलाहकार डॉ युवराज खतिवडा के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए आगे बढ़ने का भी प्रस्ताव रखा है।खतिवडा ने बताया कि प्रधानमंत्री ओली ने रूस में नेपाली छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति बढ़ाने पर भी चर्चा की है। उन्होंने लगभग 25 मिनट तक वन टू वन बैठक भी की तथा सरकारी टीम के साथ लगभग 15 मिनट तक चर्चा की। आज ही प्रधानमंत्री ओली ने अपने चीन भ्रमण के दौरान कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु से भी मुलाकात की है। को, उन्होंने टियांजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ बधाई दी। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने चीन में चावल के मुख्य रोपण क्षेत्र का दौरा किया था।

सूडान में भीषण भूस्खलन, 1000 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी

खारतूम/दारफ़ुर। पश्चिमी सूडान में लगातार कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद मर्रा पर्वत क्षेत्र में आए भीषण भूस्खलन से कम से कम 1000 लोगों की मौत हो गई है। सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी (स्रस्र) ने इस आपदा की पुष्टि करते हुए बताया कि तारासिन गांव का बड़ा हिस्सा मलबे में दब गया और केवल एक व्यक्ति ही जीवित बच पाया।

मानवीय आपदा और सहायता की अपील

संगठन ने संयुक्त राष्ट्र, क्षेत्रीय संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से तत्काल मानवीय सहायता भेजने की अपील की है। भूस्खलन से प्रभावित इलाका दुर्गम और सुदूर है, जिससे राहत कार्य बेहद मुश्किल हो रहा है।

संघर्षग्रस्त क्षेत्र में नई त्रासदी

यह इलाका वर्तमान में सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी के नियंत्रण में है, जो सूडानी सेना के साथ मिलकर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फ़ोर्सेज़ (स्रस्र) के खिलाफ लड़ रही है। गृहयुद्ध के चलते पहले से ही

हजारों लोग विस्थापित होकर मर्रा पर्वत की शरण ले चुके थे। अब इस प्राकृतिक आपदा ने हालात और बदतर बना दिए हैं।

युद्ध और भुखमरी की मार

अप्रैल 2023 में सेना और स्रस्र के बीच छिड़े संघर्ष ने देश को भुखमरी और जनसंहार की स्थिति में धकेल दिया है। अमेरिका के एक अधिकारी के अनुसार, 2023 से अब तक लगभग 1.5 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 1.2 करोड़ लोग अपने घर छोड़कर विस्थापित होने पर मजबूर हुए हैं। दारफ़ुर क्षेत्र में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात को लेकर आए वक्तव्य पर संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री ओली से जवाब मांगा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री की चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान पर नेपाल में राजनीतिक भूचाल आ गया। अब इस बयान को लेकर संसद की अंतराष्ट्रीय संबंध समिति ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से जवाब मांगा है। चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से मुलाकात के बाद वहां के विदेश मंत्रालय की तरफ से बयान जारी कर नेपाल की ओर से ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) का समर्थन करने की बात उल्लेख की गई है। इसको लेकर नेपाल में राजनीतिक भूचाल आ गया है। सभी दलों ने इसका विरोध किया है। संसद की अंतराष्ट्रीय संबंध समिति के सभापति राजकिशोर यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री ओली के चीन भ्रमण से लौटते ही इस विषय पर जवाब तलब किया गया है। प्रधानमंत्री को संसदीय समिति में उपस्थित होकर इस विषय पर नेपाल सरकार की औपचारिक धारणा रखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जीएसआई चीन द्वारा शुरू किया गया एक सैन्य गठबंधन है। चीन की तरफ से जारी बयान में नेपाल के समर्थन

क़ी बात देश की विदेश नीति के खिलाफ है। संसदीय समिति के अध्यक्ष ने कहा कि नेपाल की संसद में सर्वसम्मति से यह स्वीकार किया गया है कि हम किसी भी देश की सुरक्षा या सैन्य रणनीति का अंग नहीं बन सकते हैं। संसदीय समिति की बैठक के बाद अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने कहा है कि चीन के बयान के बाद नेपाल सरकार खासकर प्रधानमंत्री से उनकी इस विषय पर स्पष्ट धारणा रखने के लिए उन्हें संसदीय समिति में स्वयं उपस्थित होकर जवाब देने को कहा गया है। हालांकि प्रधानमंत्री के साथ इस समय चीन के भ्रमण पर रहे उनके आर्थिक सलाहकार डा युवराज खतिवड़ा ने स्पष्ट कर दिया है कि चीनी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के दौरान जीएसआई को लेकर किसी भी प्रकार की कोई बातचीत नहीं हुई है। खतिवड़ा ने साफ शब्दों में कहा कि चीन का बयान गलत और भ्रामक है। प्रधानमंत्री के भ्रमण दल में सहभागी शिक्षा मंत्री रघुजी पंत ने भी कहा कि चीन का बयान एकतरफा है और इससे नेपाल का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने दावा किया कि चीन की तरफ से आए बयान में कोई सच्चाई नहीं है।

कीव ने एससीओ समिट के बयान में रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र न होने पर जताई नाराजगी

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने तियानजिन में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के परिणामों को ध्यान में रखते हुए कहा कि इस सम्मेलन के मुख्य दस्तावेज, 20 पेज के तियानजिन घोषणा पत्र में रूस के यूक्रेन पर युद्ध का जिक्र न होना बहुत ही आश्चर्यजनक और नकारात्मक संकेत है। यूक्रेन ने कहा कि यह यूरोप में हुई सबसे बड़ी आक्रामकता है, जो विश्व युद्ध 2 के बाद सबसे गंभीर मानी जाती है, और इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज में इसका उल्लेख न होना काफी हैरान करने वाला है। जबकि घोषणा पत्र में कई अन्य युद्धों, आतंकवादी हमलों और विश्व के घटनाक्रम का जिक्र है, रूस-यूक्रेन युद्ध की चुप्पी साफ तौर पर एक बड़ी चूक है। यूक्रेन का कहना है कि बिना रूस की आक्रामकता का न्यायसंगत अंत किए, हम वैश्विक विकास, अंतरराष्ट्रीय शांति-सुरक्षा, संयुक्त

राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के बीच व्यापारिक संबंधों के स्थिर विकास की बात नहीं कर सकते।

यूक्रेन ने इस बात पर जोर दिया है कि एससीओ समिट के बयान में रूस-यूक्रेन युद्ध का उल्लेख न होना, मास्को के कूटनीतिक प्रयासों की असफलता का परिचायक है। रूस कोशिश कर रहा था कि विश्व को इस युद्ध को लेकर दो हिस्सों में बांट दे और यह धारणा बनाई जाए कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाहर के देशों में रूस की आक्रामकता को लेकर सकारात्मक सोच है। लेकिन इस बार रूस की यह चाल कामयाब नहीं हो पाई। यूक्रेन का मानना है कि मास्को अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद एससीओ के सदस्य देशों की राय को एक ऐसी स्थिति में लाने में असफल रहा जो उसके पक्ष में हो। यूक्रेन ने पुनः सभी शांति शांतिप्रिय देशों से अपील की है कि वे रूस की आक्रामकता का आकलन करते समय अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का पालन करें। यूक्रेन ने चीन की महत्वपूर्ण भूराजनीतिक भूमिका को ध्यान में रखते हुए बीजिंग से आग्रह किया है कि वह यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभाए। यह शांति तभी संभव होगी जब सभी पक्ष संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सम्मान करें।

सैन्य परेड में शामिल होने बुलेट ट्रेन में बैठकर बीजिंग पहुंचे प्रधानमंत्री ओली

एजेंसी

काठमांडू,। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली टियांजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) प्लस शिखर सम्मेलन के बाद बीजिंग पहुंचे हैं। सैन्य परेड में शामिल होने के लिए नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने बुलेट ट्रेन का सफर किया है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर बुलेट ट्रेन के जरिए टियांजिन से बीजिंग की यात्रा करने की जानकारी दी है। बीजिंग पहुंचने पर चीनी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मुलाकात चीनी

उपराष्ट्रपति हान झेंग से होनी है। उपराष्ट्रपति की ओर से आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी नेपाली प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा।इससे पहले टियांजिन में प्रधानमंत्री ओली ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। अपनी यात्रा के अंतिम कार्यक्रम के रूप में नेपाली प्रतिनिधिमंडल 3 सितंबर को बीजिंग में फासीवाद और जापानी आक्रामकता के खिलाफ युद्ध में चीन की जीत के 80वीं वर्षगांठ समारोह में वैश्विक नेताओं के साथ शामिल होगा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल उसी दिन नेपाल लौटेगा।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर बीजिंग रवाना

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपनी विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर प्योंगयांग से चीन के लिए मंगलवार को रवाना हो गए। वे बीजिंग में बुधवार को होने वाली 'विक्ट्री डे' परेड में हिस्सा लेंगे। चीन के इस परेड में किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक मंच पर नजर आएंगे। उत्तर कोरिया स्टेट मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक कोरियाई वर्कर्स पार्टी के महासचिव और कोरियाई लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर विक्ट्री डे की 80वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए 1 सितंबर को अपनी ट्रेन से

प्योंगयांग से रवाना हुए। उनकी ट्रेन 2 सितंबर की सुबह सीमा पार कर गई। किम जोंग के साथ कोरियाई पीपुल्स पार्टी की केंद्रीय समिति और डीपीआरके सरकार के प्रमुख अधिकारी यात्रा कर रहे हैं। उनकी यात्रा में 24 घंटे तक का समय लग सकता है और वे मंगलवार को बीजिंग पहुंचेंगे। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने बीजिंग की यात्रा के लिए एक घंटे की उड़ान के विकल्प को छोड़कर प्योंगयांग से बीजिंग तक ट्रेन में लगभग 24 घंटे के सफर को चुना। किम जोंग उन की इस विशेष ट्रेन का आधिकारिक नाम- तायांग-हो- है। जिसमें अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के साथ शाही सुविधाएं हैं।

खास है किम जोंग उन की बख्तरबंद ट्रेन

दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि किम की निजी ट्रेन बुलेटप्रूफ खिड़कियों, अभेद्य आवरण, रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए विशेष जालीदार आवरण और मोर्टार से लैस है। कवच और उपकरणों से लदी, तायांग-हो लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है। शाही सुविधाएं और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था है। इसकी रफ्तार 50-60 किमी/घंटा तक है।

वेनेजुएला के मादुरो ने कहा- उनका देश शांतिपूर्ण, लेकिन धमकियों के आगे नहीं झुकेगा

एजेंसी

कैरेकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि उनका देश पिछले 100 वर्षों में दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप पर सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका पर कैरेबियाई सागर में नौसैनिक ताकत बढ़ाकर तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। काराकास में सैन्य अधिकारियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मदुरो ने कहा, 'वेनेजुएला 100 वर्षों में हमारे महाद्वीप पर देखे गए सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला एक शांतिप्रिय देश है लेकिन वह धमकियों के आगे नहीं झुकेगा।

हाल के हफ्तों में अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव तब बढ़ गया जब अमेरिकी नौसेना ने वेनेजुएला के नजदीकी कैरेबियाई जलक्षेत्र में बड़ी तैनाती की। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ अभियान का हिस्सा है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है, जिसे माइग्रेशन रोकने और दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने की रणनीति से जोड़ा गया है। वहीं, वेनेजुएला ने बार-बार अमेरिका के इन आरोपों को खारिज किया है कि उसका

शासन अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी में शामिल है। अगस्त की शुरुआत में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी की जानकारी देने पर मिलने वाले इनाम को दोगुना कर 50 मिलियन डॉलर कर दिया था। मादुरो और आंतरिक मंत्री दियोसदादो काबेलो ने अमेरिकी नौसैनिक तैनाती को हस्तक्षेप का बहाना बताते हुए इसे वेनेजुएला की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने जर्मनी के उद्यमियों से किया निवेश का आग्रह

एजेंसी

बर्लिन। तमिलनाडु में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से राज्य के मुख्यमंत्री एम. के स्टालिन इन दिनों जर्मनी और ब्रिटेन की एक सप्ताह की यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान वे फिलहाल जर्मनी में और फिर इंग्लैंड में बसे तमिलों और वहां के निवेशकों और उद्यमियों से तमिलनाडु आने और निवेश करने का आग्रह कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन सबसे पहले चेन्नई से जर्मनी के लिए रवाना हुए। उनके डसेलडोर्फ हवाई अड्डे पर पहुंचने पर वहां रहने वाले तमिलों ने उनका भव्य स्वागत किया। उनका स्वागत फूलों और गुब्बारों से किया गया, जिन पर पिता लिखा हुआ था। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन यूरोपीय तमिलों द्वारा आयोजित भव्य तमिल ड्रीम कार्यक्रम में शामिल हुए। जर्मनी में रहने वाले तमिल प्रवासियों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, जर्मनी में रहने वाले तमिल रिश्तेदारों, जिन्होंने अपनी जड़ों को नहीं भुलाया है, उनकी ऊंचाइयों को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। उनके स्वागत के उत्साह से मैं अभिभूत हो गया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि विदेशों में रहने वाले तमिल अपनी जड़ों को नहीं भूले हैं और अपनी संस्कृति व भाषा का संरक्षण व सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने द्रविड़ मॉडल सरकार के तहत तमिलनाडु में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारिश और बाढ़ से 24 लाख लोग प्रभावित, हालात बिगड़ने की आशंका

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रिकॉर्ड तोड़ मानसूनी बारिश के कारण आई विनाशकारी बाढ़ से 24 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और एक हजार से ज्यादा गांव जलमग्न हो गए हैं। स्थानीय मीडिया ने प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के हवाले से कहा कि यह क्षेत्रीय इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ आपदाओं में से एक है। पीडीएमए के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने कहा कि भारी बारिश और उफनती नदियों के कारण पूरे प्रांत में 3,100 से ज्यादा गांव और लगभग 2,900 बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। लगातार मानसूनी बारिश और बाढ़ के पानी ने पूरे पाकिस्तान में खेतों को बर्बाद कर दिया है। कटाई के लिए तैयार फसलें नष्ट हो गई हैं, जिससे देश में खाद्य संकट और मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ गई हैं। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, देश के सबसे बड़े प्रांत में पिछले सप्ताह आई विनाशकारी बाढ़ से सैकड़ों गांव, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों में पानी भर गया है। मवेशी बह गए और किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं।

बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। पाकिस्तान में यूएन रेजिडेंट और मानवीय समन्वयक मोहम्मद याह्या ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह सामान्य नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून अब पूरे पाकिस्तान के लिए भय और तबाही लेकर आ रहा है।

पंजाब के हाफिजाबाद में जलमग्न खेतों का एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जहां तक नजर जाती है, वहां तक धान के खेत बाढ़ की चपेट में हैं। किसानों को अब अगले बुआई सीजन तक बिना फसल या आय के रहना होगा। याह्या ने कहा, 'यह तो बस शुरुआत है। आने वाले हफ्तों में और तेज बारिश हो सकती है। जैसे-जैसे पानी दक्षिण की ओर बढ़ेगा, इससे परिवारों के विस्थापन और विनाश का खतरा और ज्यादा पैदा होगा। पाकिस्तानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते जलस्तर की वजह से चिनाब नदी का पानी मंगलवार को पंजाब के मुल्तान जिले तक पहुंच सकता है और रावी नदी के जल में मिल सकता है।

पीडीएमए के अनुसार, पंजाब में पंजनद नदी का जलस्तर 5 सितंबर को अपने चरम पर पहुंचने की आशंका है, जबकि सतलुज नदी का पानी सुलेमानकी और हेड इस्लाम सहित बैराजों की ओर बढ़ रहा है। पूरे पंजाब प्रांत में दो और दिनों तक मानसूनी बारिश का अनुमान है, जिससे राहत अभियान बाधित हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब प्रांत के मैदानी इलाकों में 100 से 200 मिमी के बीच भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ में कम से कम 164 लोगों की जान चली गई, जबकि 582 अन्य घायल हो गए।

नोंदिता मेडिकेयर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 145 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 275.50 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 289.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 99.48 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। यानी आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही करीब दोगुना हो गया है। अनोंदिता मेडिकेयर का 69.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 300.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 153.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 531.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 286.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सेबी के नियमों का पालन न करने पर कोल इंडिया पर 10.72 लाख रुपये जुर्माना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पर 10.72 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के कारण यह जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि कंपनी को एनएसई और बीएसई से 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए सेबी एलओडीआर के नियम 17 के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में नोटिस प्राप्त हुआ है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि? उसके बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में सेबी के मानदंडों का पालन न करने पर उस पर 10.72 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीआईएल ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक के कारण नहीं था और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास भी किए गए थे। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति देश के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

अगस्त में जीएसटी राजस्व संग्रह 6.5 फीसदी बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह अगस्त में सालाना आधार पर 6.5 फीसदी बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 1.75 लाख करोड़ रुपये था, जबकि पिछले महीने जून में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अगस्त में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सलाना आधार पर 10.7 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 फीसदी बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 1.2 फीसदी घटकर 49,354 करोड़ रुपये रह गया। जीएसटी रिफंड सलाना आधार पर 20 फीसदी घटकर 19,359 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले अप्रैल 2025 में जीएसटी राजस?व संग्रह बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। जीएसटी राजस्व संग्रह का ये आंकड़ा केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की होने वाली बैठक से ठीक दो दिन पहले आया है, जिसमें दरों को युक्तिसंगत बनाने और कर स्लैब की संख्या कम करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। जुलाई में देश में जीएसटी लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। 1 जुलाई, 2017 को देश में जीएसटी लागू किया गया था।

टीसीए कल्याणी ने महालेखा नियंत्रक (सीजीए) का पदभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) की 1991 बैच की अधिकारी टीसीए कल्याणी ने सोमवार को लेखा महानियंत्रक (सीजीए) का पदभार संभाल लिया है। वह इस पद पर आसीन होने वाली 29वीं अधिकारी हैं। उन्होंने रक्षा, दूरसंचार, उर्वरक, वित्त, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, सूचना एवं प्रसारण, और गृह मंत्रालय सहित प्रमुख मंत्रालयों में कार्य किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक कल्याणी ने प्रौद्योगिकी को अपनाकर सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता और दक्षता को निरंतर बढ़ावा दिया है। मुख्य लेखा नियंत्रक (सीजीए) का पदभार ग्रहण करने से पहले कल्याणी गृह मंत्रालय में प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक (पीआर. सीसीए) के रूप में कार्यरत थीं, जहां उन्होंने भारत सरकार के सबसे बड़े मंत्रालयों में से एक के बजट और लेखा-जोखा का निरीक्षण किया।

कमजोरी लिस्टिंग के बाद ग्लोबटियर इंफोटेक के शेयरों पर लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी ग्लोबटियर इंफोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 57.60 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 54.72 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 17.28 रुपये यानी 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ग्लोबटियर इंफोटेक का 31.05 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 28 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के

लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.04 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.63 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 27.44 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5,00,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

अगस्त माह में यूपीआई से हुए 20 अरब ट्रांजिक्शन, 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान की लोकप्रियता के चलते एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने अगस्त में 20 अरब मासिक लेन-देन का आंकड़ा पार कर लिया है। इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ, जो पिछले साल इसी अवधि में 20.60 लाख करोड़ रुपये से 21 फीसदी अधिक है। ये आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि अगस्त में कुल लेन-देन की संख्या 20.01 अरब रही है, जो अगस्त 2024 में 14.9 अरब से 34 फीसदी की सालाना वृद्धि को दर्शाती है। एनपीसीआई के अनुसार मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। यूपीआई लेनदेन की राशि 21 फीसदी बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपये था। एनपीसीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त, 2024 के 14.9 अरब से 34 फीसदी बढ़कर अगस्त, 2025 में 20.01 अरब हो गया। इस साल अगस्त के दौरान औसत दैनिक लेनदेन की संख्या 64.5 करोड़ तक पहुंच गई है, जबकि औसत दैनिक लेनदेन की राशि 80,177 करोड़ रुपये थी। ये उच्च-आवृत्ति खुदरा और बड़ी मात्रा में हस्तांतरण दोनों में यूपीआई की बढ़ती व्यापकता को दर्शाता है।

एनआईएस मैनेजमेंट की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सिक्योरिटी और फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी एनआईएस मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सुस्त शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 111 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.70 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 108 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 102.60 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 8.40 रुपये यानी 7.48 प्रतिशत का नुकसान हो गया। एनआईएस मैनेजमेंट का 60.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 28 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.13 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.15 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 51.75 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.44 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के तहत नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 16.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 18.38 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 18.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 8 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 405.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी पर कर्ज में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 87.22 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 91.11 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी के कर्ज में मामूली कमी आई और ये घट कर 83.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी, रिकॉर्ड हाई पर पहुंचे सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने आज सर्राफा बाजार में तेजी का नया रिकॉर्ड बना दिया है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,0,090 रुपये से लेकर 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 97,250 रुपये से लेकर 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,06,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 97,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,06,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,06,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार दूसरे साल की 5 लाख करोड़ से अधिक की खरीदारी

नई दिल्ली। साल 2025 के पहले आठ महीने के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी करके घरेलू शेयर बाजार को काफी सहारा दिया है। इसके पहले 2024 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 5.25 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। अभी 2025 के चार महीने बाकी हैं। ऐसे में घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी का आंकड़ा इस साल के अंत तक काफी ऊपर जा सकता है। भारतीय शेयर बाजार लंबे समय से दबाव में कारोबार कर रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रही उठापटक और भारत पर अमेरिकी टैरिफ लादे जाने की वजह से घरेलू शेयर बाजार का सेंटिमेंट लगातार बिगड़ा है। इस वजह से विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने में लगे हुए हैं। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों

(डीआईआई) ने जमकर खरीदारी करके शेयर बाजार को अपनी ओर से पूरा सहारा देने का काम किया है। एनएसई के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि म्यूचुअल फंड्स, बैंक, बीमा कंपनियों और अन्य घरेलू संस्थानों ने 2025 में अगस्त के महीने तक कुल 5.13 लाख करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर खरीदे हैं, जबकि 2024 में ये आंकड़ा 5.25 लाख करोड़ रुपये का था। 2023 में ये आंकड़ा 1.81 लाख करोड़ रुपये था। इसी तरह 2022 में घरेलू संस्थागत निवेशकों की तरफ से 2.76 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी हुई थी। आंकड़ों के अनुसार शेयर बाजार में घरेलू खरीद में आया ये उछाल विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के बीच आया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2024 में शेयर बाजार में बिकवाली करके लगभग 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली का ये ट्रेंड 2025 में भी जारी है। इस साल विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजार से 1.30 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार 2025 में जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं, तब घरेलू शेयर बाजार को घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भरपूर सहारा दिया है। लगातार दूसरे साल पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी करके घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है कि शेयर बाजार अब विदेशी निवेशकों की दया ।

रिकॉर्ड लो लेवल तक गिरने के बाद संभला रुपया, डॉलर की तुलना में 1 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने के कारण मुद्रा बाजार में रुपया आज डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरने के बावजूद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण आखिरकार 1 पैसे की सांकेतिक तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 1 पैसे उछल कर 88.20 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 88.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की गिरावट के साथ 88.23 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद रुपया 11 पैसे फिसल कर अभी तक सबसे निचले स्तर 88.32 तक गिर गया। हालांकि इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने लगी, जिससे रुपये की स्थिति में भी सुधार होने लगा। डॉलर की आवक बढ़ने के कारण भारतीय मुद्रा 9 पैसे की मजबूती के साथ 88.12 के स्तर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में एक बार फिर डॉलर की मांग तेज हो जाने के कारण रुपये पर दबाव बनने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 1 पैसे की सांकेतिक उछाल के साथ 88.20 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

देश का चालू खाता घाटा अप्रैल-जून तिमाही में घटकर जीडीपी का 0.2 फीसदी : आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। देश का चालू खाता घाटा (सीएडी) वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में घटकर 2.4 अरब डॉलर रह गया जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.2 फीसदी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि चालू खाता संतुलन में ये सुधार मुख्य रूप से सेवाओं के निर्यात का नतीजा है। आरबीआई के मुताबिक भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में तेजी से घटकर 2.4 अरब डॉलर यान जीडीपी का 0.2 फीसदी रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 8.6 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.9 फीसदी) था। आरबीआई के

मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में चालू खाता 13.5 अरब डॉलर के अधिशेष में था, जो जीडीपी का 1.3 फीसदी है। आंकड़ों के मुताबिक पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में देश का चालू खाता घाटा 23.3 अरब डॉलर रहा, जो जीडीपी का 0.6 फीसदी है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 26 अरब डॉलर (0.7 फीसदी) रहा था। रिजर्व बैंक के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही के दौरान वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 68.5 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि में 63.8 अरब डॉलर था। सेवाओं से शुद्ध प्राप्तियां बढ़कर 47.9 अरब डॉलर हो गईं, जो एक साल पहले इसी अवधि में 39.7 अरब डॉलर थीं। आरबीआई के मुताबिक जून तिमाही में व्यवसायिक सेवाओं और कंप्यूटर सेवाओं के निर्यात में सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय खाते के संदर्भ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में पहली तिमाही में 5.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ, जबकि पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि में यह 6.2 अरब डॉलर था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के रूप में 1.6 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह दर्ज किया गया जो पिछले वित्त वर्ष 0.9 अरब डॉलर था।

दक्षिणी राज्यों की मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने दक्षिण राज्यों में मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कर्नाटक, केरल और तेलंगाना राज्यों में मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों और

परियोजना के समर्थकों ने भाग लिया। मंत्रालय के मुताबिक समीक्षा बैठक में परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगम अंतर-मंत्रालयी और राज्यों के बीच समन्वय को बढ़ाकर समस्याओं के समाधान में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में कर्नाटक में 3,658 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाली 5 महत्वपूर्ण परियोजनाओं से संबंधित 5 मुद्दों की समीक्षा की गई। केरल में 5,002 करोड़ रुपये की लागत वाली 2 परियोजनाओं से संबंधित 2 मुद्दों की पड़ताल की गई, जबकि तेलंगाना में 1,934 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली 3 परियोजनाओं से संबंधित 6 मुद्दों पर चर्चा की गई। डीपीआईआईटी सचिव ने परियोजना निगरानी के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित मुद्दों के समाधान में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया।

एटीएफ की कीमत में 1.4 फीसदी की कटौती, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में 1.4 फीसदी तक की कटौती की है। एटीएफ के दाम में यह कटौती एक जुलाई से कीमतों में लगातार दो मासिक वृद्धि के बाद वैश्विक मानक दरों में कमी के चलते की गई है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई हैं। आईओसी की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,308.41 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 1.4 फीसदी घटकर 90,713.52 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इसी तरह मुंबई में एटीएफ की कीमत 86,077.14 रुपये घटकर 84,832.83 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में कीमतें क्रमशः 94,151.96 रुपये और 93,886.18 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। उललेखनीय है कि वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर शहरों में कीमतें अलग-अलग होती हैं। विमान ईंधन के मूल्य कटौती से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ कम होगा, जिनके लिए ईंधन परिचालन लागत का करीब 40 फीसदी हिस्सा है। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल सकी है।

लगातार 3 दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। अगस्त के आखिरी तीन कारोबारी दिनों में गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज सितंबर महीने की शुरुआत जोरदार मजबूती के साथ की। माना जा रहा है कि जीडीपी के मजबूत आंकड़े, चीन के तियानजिन में हो रहे एससीओ शिखर सम्मेलन से आ रही सकारात्मक खबर, आईटी शेयरों में आई तेजी और शेयर बाजार में निचले स्तर से हुई खरीदारी के सपोर्ट के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक आज बढ़त बनाने में सफल रहे। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच जोर आजमाइश होती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। दोपहर 12 बजे के बाद खरीदार पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल लगातार तेज होती गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, ऑटोमोबाइल, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे निफ्टी का ऑटोमोबाइल इंडेक्स आज 2.80 प्रतिशत तक उछल गया। इसी तरह आईटी इंडेक्स भी 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 448.90 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.65 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.25 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,380 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,800 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,387 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 193 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,805 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,944 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 861 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 19.34 अंक के मामूली बढ़त के साथ 79,828.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल ऊपर नीचे होने लगी। दोपहर 12 बजे तक उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद सेंसेक्स को खरीदारों का सपोर्ट मिल गया, जिसके कारण इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 597.19 अंक उछल कर 80,406.84 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

हिना खान

संस्कारी नहीं है... सास ने शो में खोली बहू की पोल, बात सुनते ही एक्ट्रेस के उड़े होश

टीवी की संस्कारी बहू हिना खान ने लंबे वक्त बाद टीवी में वापसी की. वो इस समय पति रॉकी के साथ 'पति पत्नी और पंगा' में दिख रही हैं. जहां से कई छोटी-छोटी क्लिप वायरल है. 4 जून को ही एक्ट्रेस ने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल से रजिस्टर्ड मैरिज की थी. पर वो यह शो पहले ही साइन कर चुके थे. हाल ही में एक एपिसोड में उनकी सास की शो में एंट्री हुई. जहां उन्होंने हिना खान की पोल खोली. इस दौरान रॉकी की मम्मी ने कहा कि हिना खान बिल्कुल भी संस्कारी नहीं है, जैसा वो उन्हें 'अक्षरा' वाले किरदार में देखकर सोचती थीं. यह बात सुनकर एक्ट्रेस के भी होश उड़ गए.दरअसल हिना खान की सास जिस एपिसोड में पहुंची थीं, वो एपिसोड आ चुका है. जहां दूसरी एक्ट्रेस की सास उन्हें सपोर्ट करती दिखीं. तो दूसरी ओर हिना खान की सास कहती दिखीं कि वो 'यह रिश्ता क्या कहलाता है' के दौरान हिना खान को देखती थीं. साथ ही दुआ मांगती थी कि ऐसी बहू मुझे मिल जाए. लेकिन उसके बाद जो कहा, यह सुनकर सब हंस पड़े.

हिना खान की सास ने खोली पोल

हिना खान को स्टार प्लस के शो 'यह रिश्ता क्या कहलाता है' से पहचान मिली थी. वो अक्षरा बहू बनकर घर-घर पॉपुलर हो गईं. जिन्हें काफी पसंद भी किया जाता था. अब एक्ट्रेस की सास ने शो में पहुंचकर कहा कि- यह शो चल रहा था, जो यह एक्टिंग करती थी, जो भी इसका रोल था. मैं इसको रोज

देखती थी और मेरे दिल से ऐसे होता था कि ईश्वर मुझे बस ऐसी बहू दे दो. बहू तो वैसी मिल गई, पर उतनी संस्कारी नहीं है. लेकिन यह जान है हमारी. हालांकि बाद में शो के होस्ट मुनव्वर फारूकी ने क्लियर किया कि जैसा शो में उनका रोल था, वो वैसी संस्कारी नहीं है.हालांकि, यह केवल एक क्लिप है. पर उनकी सास जब पहुंचीं, तो उस एपिसोड के कई और वीडियो छाए हुए हैं. एक जगह हिना की सास ने कहा था कि एक्ट्रेस के नखरे बहुत है. सास तो हूं, पर घर पर इससे कौन पंगा लेगा ? मैं घर पर रोज अलग-अलग खाना बनाती हूं, पर यह खाने में गलतियां निकालती है. जबकि इसे खाने को लेकर कोई नॉलेज नहीं है.

कब से साथ हैं हिना और रॉकी ?

दरअसल हिना खान लंबे समय से ब्रेस्ट कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जंग लड़ रही थी. उनकी कीमोथेरेपी कंप्लीट हो चुकी है. जिसके बाद जून में उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी. दोनों साल 2014 से एक साथ हैं. फैन्स भी दोनों की जोड़ी को काफी पसंद करते हैं. दरअसल हिना खान ने कैंसर में भी लगातार काम किया है. कभी किसी इवेंट में दिखती थीं, तो कभी कहीं और.

बड़ा झटका! अटक गई प्रभास की बड़ी फिल्म, ये 2 खिलाड़ी बिगाड़ रहे खेल!

प्रभास की एक-एक फिल्म का इंतजार किया जा रहा है. दो फिल्मों के सीक्वल हैं, जिनके पार्ट 1 को बॉक्स ऑफिस पर भर-भरकर प्यार मिला. तो कुछ फिल्में एकदम नए लेवल पर बन रही हैं. पर प्रभास को सबसे बड़ा नुकसान यह है कि 'कल्कि 2898एडी' के बाद से ही उनकी कोई फिल्म नहीं आई है. बेशक वो कैमियो करते दिख हो, पर लीड रोल में देखने का इंतजार अब भी है. एक्टर की 'द राजा साब' बनकर तैयार है. जिसकी रिलीज को बार-बार खिसकाया जा रहा है. इसी बीच उनकी 1000 करोड़ी फिल्म के सीक्वल पर बड़ी जानकारी सामने आई है.

प्रभास के खाते में इतनी फिल्में हैं कि एक के चक्कर में दूसरी आने में देरी हो रही है. 'द राजा साब', 'स्पिरिट', 'फौजी', 'सलार 2', 'कल्कि 2898 एडी का पार्ट 2'. फिलहाल वो संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट पर काम कर रहे हैं. पर नाग अश्विन ने जो जानकारी दी, उससे इस फिल्म के फैन्स को झटका जरूर लगेगा.

प्रभास की कौन सी फिल्म अटकी ?

हाल ही में एक न्यूज वेब साइट पर प्रभास की फिल्म को लेकर अपडेट सामने आया. दरअसल 'कल्कि 2898 एडी' के डायरेक्टर नाग अश्विन हाल ही में एक पॉडकास्ट में पहुंचे थे. जहां उन्होंने फिल्म के पार्ट 2 को लेकर अपडेट शेयर किया. उन्होंने कहा कि क्योंकि इस बार फिल्म का स्केल और कास्ट भी बड़ी है, तो चीजों को होने में वक्त लगेगा. दरअसल सभी एक्टर्स को एक साथ आना होगा. जबकि, कुछ प्री-विजुअलाइज सीक्वेंस और एक्शन सीक्वेंस भी काफी बड़े हैं. डायरेक्टर के मुताबिक, इसलिए इसमें कुछ समय लगेगा. हालांकि, उनके पास कोई सटीक जवाब नहीं है, क्योंकि इस वक्त सभी एक्टर्स बिजी चल रहे हैं.

उन्होंने अपडेट दिया कि अगले 2 या 3 साल फिल्म को रिलीज होने में लगेंगे. हालांकि, यह काफी लंबा वक्त है, जैसा पहले पार्ट को रिस्पॉन्स मिला था. दरअसल वो एक फिल्म के इवेंट में भी पहुंचे थे. जहां उनसे कल्कि पार्ट 2 को लेकर अपडेट मांगा गया. दरअसल प्रभास के चक्कर में ही फिल्म में देरी हो रही है. क्योंकि उनके खाते में इतनी फिल्में हैं कि जबतक वो नहीं आएंगे. तब तक पिक्चर का काम पूरा होना नामुमकिन है. वहीं अब इस खेल बिगाड़ने वाली लिस्ट में दीपिका भी शामिल हो गई हैं. क्योंकि वो अल्लू अर्जुन की फिल्म और किंग 2 के लिए काम करेंगी. तो इस फिल्म में वक्त लगेगा.

पिता को लेकर क्यों आ गई थी अनिल कपूर के मन में कड़वाहट? वजह कर देगी हैरान

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर बतौर एक्टर करीब 45 साल से काम कर रहे हैं. उनका पूरा परिवार ही फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ है. उनके छोटे भाई संजय कपूर एक्टर हैं. जबकि बड़े भाई बोनी कपूर मशहूर प्रोड्यूसर हैं. वहीं उनके दिवंगत पिता सुरिंदर कपूर भी प्रोड्यूसर थे. हालांकि पिता के प्रोड्यूसर होने के बावजूद अनिल कपूर को अपने करियर के शुरुआती दिनों में उनसे कोई मदद नहीं मिली थी. इस वजह से अनिल के मन में पिता को लेकर नाराजगी और कड़वाहट आ गई थी.

अनिल कपूर अपने पिता के काफी करीब रहे हैं. हालांकि बात जब अनिल कपूर के करियर की आई तो उन्हें पिता ने साफ-साफ कह दिया था कि उन्हें उनका रास्ता खुद बनाना होगा. अनिल ने ऐसा किया भी और वो काफी कामयाब भी रहे. हालांकि उन्हें कड़े स्ट्रगल से गुजरना पड़ा. प्रोड्यूसर के बेटे होने के बावजूद उन्होंने स्पॉटबॉय के रूप में काम किया और शुरुआत में साइड रोल भी किए.

दिल खोलकर की थी पिता की तारीफ

अनिल कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए कहा था कि उनके पिता एक सज्जन व्यक्ति थे. अभिनेता ने पिता सुरिंदर कपूर को सभ्य, ईमानदार और इंट्रोवर्ट भी बताया था. अनिल ने आगे कहा था, "उन्होंने कभी धक्का-मुक्की नहीं की. वो फिल्मी या एग्रेसिव लोगों में से नहीं थे.

पिता को लेकर आ गई थी कड़वाहट

अनिल कपूर ने आगे बताया था कि उन्हें करियर की शुरुआत में ही पिता ने कह दिया था कि वो उनके लिए कुछ नहीं कर सकते. इसके आगे अनिल ने कहा था कि सच कहूं तो मैंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी कि वो मेरे लिए कुछ करेंगे. फिर मैंने खुद से कहा ये युद्ध के मैदान में जाने और लड़ने का समय है.

साउथ सिनेमा से की थी बतौर लीड एक्टर शुरुआत

अनिल कपूर के एक्टिंग करियर का आगाज साल 1979 की बॉलीवुड फिल्म 'हमारे तुम्हारे' से हुआ था. लेकिन, बतौर लीड एक्टर उनकी शुरुआत साल 1980 की साउथ फिल्म 'वामसा वृक्षम' से हुई थी. इसके बाद बॉलीवुड में कुछ और फिल्मों में साइड रोल करने के बाद उनका बतौर लीड एक्टर हिंदी सिनेमा में डेब्यू 'वो सात दिन' (1983) से हुआ था.

अमिताभ बच्चन फैंस के साथ अपने व्यवहार के लिए भी जाने जाते हैं. एक बार वो एक बीमार बच्ची से अस्पताल में मिलने के लिए गए थे. अगले ही दिन बच्ची के साथ कुछ ऐसा हुआ जिसकी डॉक्टर्स कई महीनों से कोशिश कर रहे थे.

जब बीमार बच्ची से मिले

अमिताभ बच्चन

अगले ही दिन हुआ ये चमत्कार, जिसे कभी नहीं भूल सकते बिग बी

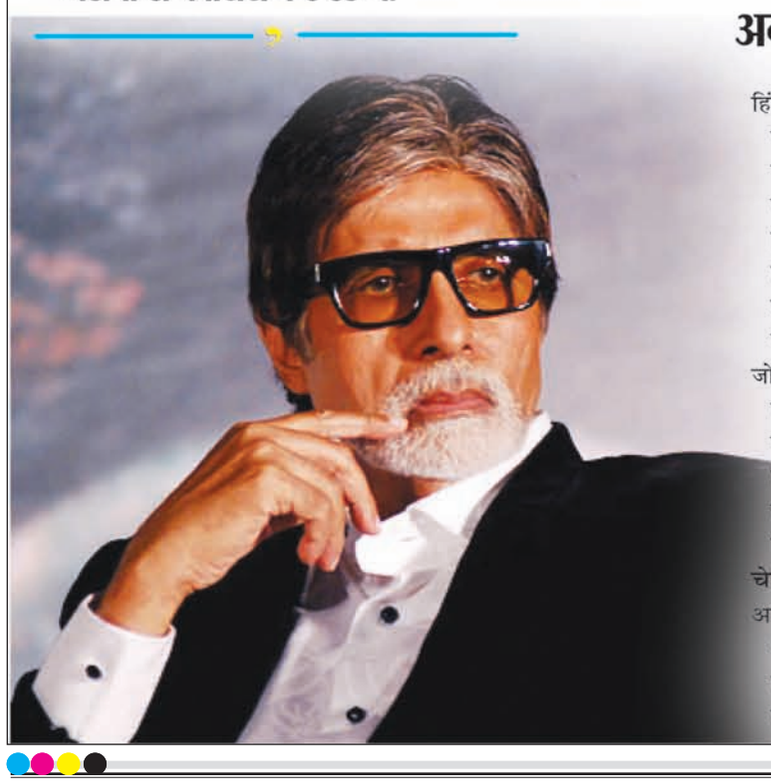

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन का हर कोई फैन है. बच्चे और बूढ़ों से लेकर महिलाएं तक हर कोई बिग बी को काफी पसंद करता है. लोग अमिताभ बच्चन की एक झलक के लिए बेताब रहते हैं. लेकिन, एक बार तो बिग बी को खुद अपनी एक फैन से मिलने के लिए जाना पड़ा था वो भी अस्पताल में. इसके बाद अगले ही दिन कुछ ऐसा हुआ था कि डॉक्टर्स भी हैरान रह गए थे और उन्होंने सीधे अमिताभ बच्चन को फोन लगा दिया था. उन्हें डॉक्टर्स ने जो बात कही थी उससे एक्टर काफी खुश हो गए थे.

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं उसका जिक्र खुद बिग बी अपने एक इंटरव्यू के दौरान कर चुके हैं. उनसे एक बातचीत के दौरान सवाल किया गया था कि क्या उनकी लाइफ में कोई ऐसा किस्सा है जिसे वो कभी भूल नहीं सकते ? इसके जवाब में बिग बी ने अपनी एक फैन का किस्सा सुनाया था जो अस्पताल में भर्ती थी. लेकिन, बिग बी उससे

चेन्नई में शूटिंग के वक्त हुआ था कुछ ऐसा

अमिताभ बच्चन ने बताया था कि एक बार वो चेन्नई में शूटिंग कर रहे थे, तब एक व्यक्ति उनसे होटल में मिले और कहा वो दो मिनट बात करना चाहते हैं. इसके बाद उस व्यक्ति ने अमिताभ बच्चन को एक बीमार बच्ची के बारे में बताया था जो उनकी फैन थी. बच्ची की ख्वाहिश थी कि अमिताभ बच्चन उससे मिलने आए, क्योंकि बच्ची चलने फिरने की हालत में नहीं थी.मिलने गए तो अगले ही दिन उसकी तबीयत में सुधार आ गया था.

बच्ची से मिलने अस्पताल गए बिग बी

अमिताभ बच्चन ने आगे कहा था कि पहले तो वो उस रिक्वेस्ट को टालना चाह रहे थे, क्योंकि उस समय उनके पास ऐसी बहुत सारी रिक्वेस्ट आती थीं. लेकिन, अभिनेता बाद में उस बच्ची से मिलने के लिए अस्पताल गए थे. जब बिग बी अस्पताल पहुंचे और बच्चे से मिले तो उन्होंने देखा कि उसके स्पाइन में कुछ दिक्कत थी और उसका बहुत बड़ा ऑपरेशन हुआ था.

अगले ही दिन हुआ ये चमत्कार

बिग बी ने कहा था, "उस बच्ची को एक अजीब बीमारी थी. बच्ची को करीब महीने भर तक पीठ के बल ही लेटना पड़ा था. मैं उससे मिला, कुछ देर तक बात की और फिर वापस आ गया था." अमिताभ बच्चन ने आगे कहा था कि अगले दिन उनके पास डॉक्टर्स का फोन आया था और उन्होंने कहा था कि आपने जो किया उसके कारण बच्ची की हेल्थ में वो सुधार आया है जिसके लिए हम महीनों से कोशिश कर रहे थे." ये सुनकर बिग बी को बहुत खुशी हुई थी.

कांग्रेस दफ्तर के बाहर विरोध करने पहुंचे भाजपाइयों पर कांग्रेसियों ने किया पथराव, एक दर्जन से अधिक कांग्रेसी गिरफ्तार

इटावा। कांग्रेस के खिलाफ पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे भाजपा नेताओं और कार्यकताओं पर कांग्रेस के नेताओं कार्यालय की छत से पथराव कर दिया पथराव के बाद शहर में तनाव का माहौल पैदा हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में करते हुए पथराव करने के आरोप में एक दर्जन से अधिक कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार कर लिया है। भाजपा की महिला मोर्चा की अध्यक्ष विरला शाक्य की तहरीर पर पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

भाजपा की सदर विधायिका सरिता भदौरिया ने बताया कि कल सोमवार को हम सभी लोग राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस दफ्तर के बाहर पहुंचे थे।

जहां पर छत पर पहले से मौजूद कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं ने पथराव करना शुरू दिया। पथराव के बाद स्थिति तनाव पूर्ण हो गई पथराव से मुझे और कई कार्यकताओं को चोट लगी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पथराव करने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और नेता नगरपालिका चौराहा पर स्थित कांग्रेस दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे इसी दौरान पथराव की घटना हुई है। भाजपा की महिला मोर्चा अध्यक्ष विरला शाक्य की तहरीर पर मुकदमा लिखकर दोषियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण में नए हेल्प-डेस्क और रिकॉर्ड रुम बनकर तैयार

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण के परिसर में 10.56 लाख की लागत से हेल्प-डेस्क भवन के उच्चीकरण का कार्य पूर्ण हो गया है। इसके साथ ही नवीन रिकॉर्ड रूम का निर्माण कार्य भी सम्पन्न हो गया है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव डॉ वेद प्रकाश ने मंगलवार को बताया कि प्राधिकरण परिसर में आने वाले लोगों को सबसे पहले हेल्प-डेस्क ही मदद देता है। हेल्प-डेस्क भवन को पिछले वर्ष बनवाने की योजना थी और इसके लिए बजट जारी कर कार्य को तेजी से कराते हुए सितम्बर माह की शुरूआत में पूर्ण कर लिया गया है। इसी तरह पुराने दस्तावेजों को सहेज कर रखने के लिए नया रिकॉर्ड रुम बनवाया गया है। नए रिकॉर्ड रुम की सुंदरता और स्वच्छता उसकी पहचान बनेगी। नए रिकॉर्ड रुम में 10 कॉम्पैक्टर और 552 रैक तैयार कराए गए हैं। नए रिकॉर्ड रुम में लगभग 81 हजार पत्रावलियों को सुरक्षित रूप से संरक्षित किया जाएगा।

वाराणसी के हुकुलगंज में ट्रक में तार फंसने से सड़क पर गिरा ट्रांसफार्मर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के लालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हुकुलगंज में मंगलवार सुबह 5 बजे व्यस्ततम मार्ग चौकाघाट से पांडेयपुर जा रहे ओवरलोड ट्रक से सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर का वायर फंस गया। जब तक चालक वाहन रोक पाता पूरा ट्रांसफार्मर सड़क पर गिर पड़ा। संयोग अच्छा रहा कि उस समय सड़क पर आवाजाही कम थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

तेज आवाज सुन कर आसपास के नागरिक भी जुट गए। नागरिक हादसे के लिए बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए नाराजगी जताते रहे। वहीं, इस मार्ग पर ट्रक ?के आने को लेकर भी लोगों में गुस्सा दिखा। क्षेत्र के नागरिक राजेश गुप्ता, अनिल कुमार जैसल ने बताया कि इसी क्षेत्र में हुकुलगंज रोड पर जिला जेल की बाउंड्री के पास लगा लोहे का खंभा जर्जर होकर नीचे से गल चुका है। सोमवार रात खंभा आधा टूटकर लटक गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार बिजली विभाग में इसकी शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। विभागीय लापरवाही के कारण ही आज ट्रांसफार्मर सड़क पर गिर गया।

दिलीप ढोलकिया एवं श्रीमती ढोलकिया के समस्त परिवारजन चातुर्मास के पावन अवसर पर तप आराधना कर रहे

दिल्ली राजधानी में गुजराती समाज दिल्ली के अध्यक्ष, दानवीर सधर्मी भाई दिलीप ढोलकिया एवं श्रीमती ढोलकिया के समस्त परिवारजन चातुर्मास के पावन अवसर पर अत्यंत कठिन एवं लम्बी तप आराधना कर रहे हैं। इस अवसर पर अनिला ढोलकिया जी द्वारा वर्सी तप, हितेन एवं दीप्ती ढोलकिया द्वारा शत्रुज्य तप (35 दिन में 25 उपवास), दिपेन एवं मीताली ढोलकिया द्वारा शिर समुद्रा तप, सक्षम दालकिया द्वारा एकाशना तप, शनाया ढोलकिया एवं प्रकाश ढोलकिया द्वारा बियसाना तप आदि के माध्यम से जिन शासन की प्रभावना कर रहे है। भगवान महावीर सुपर स्पैश्यिलिटी परिवार की ओर से हम सभी तपस्वी आत्माओं का बहुत-बहुत अभिनंदन एवं अनुमोदना करते हैं। इसी पुण्य अवसर को और अधिक सार्थक बनाते हुए दिलीप ढोलकिया युवा प्रेरक धर्म क्रांति, पूज्य नम्र मुनि जी महाराज सा के सान्निध्य में लाइव प्रवचन एवं सत्संग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। तपस्या के उपलक्ष्य में श्रद्धालुजनों ने बड़ी संख्या में शाह ओडिटोरियम में उपस्थिति दर्ज कराई एवं पूज्य गुरूदेव नम्र मुनि जी म.सा. के लाइव प्रवचन से लाभान्वित होकर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त की। इस विशेष आयोजन में समाजरत्न सुभाष ओसवाल जैन (अध्यक्ष) एवं डॉ. नगेश जी (चीफ मेडिकल डायरेक्टर) ने भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के नव-निर्माण कार्य की परियोजना को पूज्य गुरुदेव श्री नम्रमुनि जी म.सा. एवं सधर्मी गुजराती जैन समाज के समक्ष प्रस्तुत किया एवं मुनिश्री के सहयोग तथा मंगल आशीर्वाद की कामना की।

पूज्य नम्र मुनि जी म.सा. ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि वे स्वयं शीघ्र ही दिल्ली पधारेंगे एवं इस हॉस्पिटल के नव-निर्माण परियोजना को साकार रूप देने में संपूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने समाज के इस सेवाभावी उपक्रम को मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएँ एवं पावन आशीर्वाद प्रदान किया। यह आयोजन समाज में सेवा, संयम एवं आध्यात्मिक जागरूकता का अनुपम उदाहरण बनकर उभरा है। तप, धर्म और सेवा का यह समन्वय निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

अभद्र व्यवहार करने वाला दरोगा लाइन हाजिर

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में एक दरोगा प्रैंक (मजाक) वीडियो बना रहे युवकों को पकड़ कर उनके साथ बदतमीजी से पेश आए। युवकों ने भी अभद्र व्यवहार कर रहे इस दरोगा का चुपके से वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। मामला संज्ञान में आने पर एसपी ने दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि जामों थाना क्षेत्र अंतर्गत गोरियाबाद के चौकी इंचार्ज लालमणि मिश्रा ने रविवार को गश्त के दौरान जगदीशपुर रोड पर स्थित नैया नाले के पास सड़क पर नींबू, फूल, माला, नारियल आदि रखकर प्रैंक वीडियो बना रहे तीन युवकों को पकड़कर उनसे पूछताछ करते हुए गाली गलौज किया। लटात मारकर जान से मारने की धमकी भी दिया। यही नहीं चौकी इंचार्ज ने वायरल वीडियो में युवकों को लुटेरा भी बताया। चौकी इंचार्ज ने जाते-जाते युवकों की बाइक का चालान भी कर दिया, जिसमें बिना हेलमेट के बाइक चलाने, तीन सवारी बैठाने तथा आरसी ना होने की बात दशार्ते हुए साढ़े 9 हजार रुपये का चालान किया। इस घटना का वीडियो वायरल होते ही आलाधिकारी हैरान रहे गए।

पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने मंगलवार को बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया गया है। यही नहीं आरोपी दरोगा के खिलाफ प्रारंभिक जांच के भी आदेश दिए हैं। जांच की रिपोर्ट मिलने पर आरोपी दरोगा के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में झांसी ने मेरठ को 3-0 से हराया

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के लालपुर स्थित डॉ भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल में सोमवार को खेले गए प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में झांसी के खिलाड़ियों ने पहले मुकाबले में मेरठ की टीम को 3-0 से हरा दिया।

खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय वाराणसी ने पंडित दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया है। संकुल लालपुर के हॉकी एस्ट्रोटर्फ पर 30 अगस्त से चार सितम्बर के बीच चल रहे प्रतियोगिता में तीसरे दिन दूसरा मुकाबला वाराणसी बनाम मिजार्पुर के मध्य हुआ। जिसमें वाराणसी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिजार्पुर पर 8- 0 से जीत दर्ज की। यह जानकारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने दी।

उन्होंने बताया कि तीसरा मुकाबला चित्रकूट बनाम कानपुर के मध्य खेला गया। जिसमें दोनों टीम के खिलाड़ी एक दूसरे पर आक्रमण प्रति आक्रमण करते रहे। मैच में कानपुर की टीम ने 4- 3 से जीत दर्ज की। चौथा मुकाबला देवीपाटन बनाम अलीगढ़ के मध्य खेला गया। जिसमें देवीपाटन के खिलाड़ियों ने अलीगढ़ की टीम पर दबाव बनाकर खेलते हुए 6-1 से विजय हासिल की।

इसी क्रम में पांचवा मुकाबला प्रयागराज बनाम मेरठ मंडल के मध्य खेला गया। जिसमें प्रयागराज की टीम 1-0 से जीत की।

इसी क्रम में छठा मुकाबला झांसी बनाम गोरखपुर के मध्य खेला गया। जिसमें झांसी की टीम ने गोरखपुर को 4-3 से पराजित कर दिया। सातवां मुकाबला वाराणसी बनाम देवीपाटन मंडल के मध्य खेला गया। जिसमें वाराणसी की टीम ने देवीपाटन मंडल पर एक तरफा गोल करते हुए 6-0 से जीत दर्ज की। आठवां मुकाबला लखनऊ बनाम चित्रकूट मंडल के मध्य हुआ। इसमें लखनऊ की टीम ने चित्रकूट मंडल को 10- 2 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। नौवा मुकाबला अयोध्या मंडल और मिजार्पुर मंडल के मध्य हुआ। जिसमें दोनों टीमें संघर्ष करती दिखी । दोनों टीमों का स्कोर 3-3 के बराबरी पर रहा। दसवां और आखिरी मुकाबला मेरठ बनाम आगरा मंडल के मध्य खेला गया। जिसमें मेरठ मंडल की टीम ने आगरा मंडल को 3-0 से पराजित कर दिया।

पुरानी रंजिश और भूमि विवाद में हुए हत्याकांड में शामिल सभी 9 आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर। सुजानगंज थाना क्षेत्र के बेलवार गांव में सोमवार की देर रात पुरानी रंजिश और भूमि विवाद को लेकर एक व्यक्ति की लाठी-डंडे और धारदार हथियार से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दिया ।परिजनों की तहरीर पर पुलिस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 अभियुक्तों को घटना के कुछ घंटे बाद गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बेलवार गांव में कुछ लोगों ने पहले जमकर शराब पी फिर किसी बात को लेकर नरेंद्र कुमार पटेल पुत्र स्व. रामकरन पटेल निवासी बेलवार से उलझ गए। धीरे-धीरे बात इतनी बढ़ गई है कि मंगलदास पुत्र स्व. रामशरण, सुरेंद्र पुत्र मंगलदास व हार्दिक पुत्र मंगलदास निवासी बेलवार और 3-4 अज्ञात व्यक्तियों ने लाठी-डंडा और धारदार हथियार से नरेंद्र कुमार पटेल पर हमला कर दिया। आरोपियों ने नरेंद्र कुमार पटेल को तब तक पीटा जब तक उनके शरीर से जान नहीं निकल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नरेंद्र कुमार पटेल को पहले अस्पताल ले गई जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के संबंध में मंगलवार को जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के बाद पुलिस के उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निदश पर मेरे नेतृत्व में घटना के खुलासे के लिए सुजानगंज पुलिस ने टीम गठित किया गया । घटना के कुछ ही घंटों बाद 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रामकुमार पुत्र स्व. जमुना प्रसाद की तहरीर पर विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल लाठी डंडा बरामद किया गया है।

अधेड़ पर पेड़ गिरने से मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र में एक पेड़ सोमवार की रात साइकिल से घर जा रहे अधेड़ पर गिरने से मौत हो गई।

मुसाफिरखाना थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया किवार्ड नंबर आठ रामनगर नयाकोट निवासी ओम प्रकाश मिश्रा बीती रात बाजार से घर वापस लौट रहे थे। तभी कस्बे के गल्ला मंडी से सटे पूरे भवानी चरन गांव में नहर से पहले सड़क के किनारे स्थित एक आम का पेड़ अचानक ओमप्रकाश मिश्रा के ऊपर गिर पड़ा। जिसमें दबाकर ओमप्रकाश (56) गंभीर रूप से घायल हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना ले गए।

मुठभेड़ में ज्वैलर्स से लूट के प्रयास के दो अभियुक्त गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने सोमवार देर रात दो शातिर लुटेरों को मुठभेड़ में गिरफ़्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल दोनों लुटेरों को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। गिरफ्तार अभियुक्तों पर ज्वैलर्स पर जानलेवा हमला कर लूट के प्रयास का आरोप है।

अपर पुलिस अधीक्षक देहात त्रिगुण विशेन ने बताया कि 31 अगस्त को थाना शिकोहाबाद क्षेत्रान्तर्गत मिश्राना मोहल्ला में ज्वैलर्स सुरेश पुत्र रामजीलाल के साथ जान से मारने की नीयत से हमला करते हुए लूट का प्रयास हुआ था। इस मामले में थाने पर अमन वर्मा पुत्र मनोज वर्मा एवं एक अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात के रूप में अभियुक्त ऋषि वर्मा पुत्र संजीव वर्मा निवासी कौशल्या नगर थाना उत्तर, का नाम प्रकाश में आया।

उन्होंने बताया कि थाना शिकोहाबाद प्रभारी निरीक्षक अपराध कृष्ण स्वरुप पाल पुलिस टीम के साथ सोमवार देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे तभी छीछामई को जाने वाली नहर पटरी के पास मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्ध दिखे। पुलिस ने जब रोका तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षार्थ में पुलिस टीम ने जवाबी कार्यवाही की जिसमें दोनों सिरसागंज व ऋषि वर्मा पुत्र संजीव वर्मा निवासी कौशल्या नगर थाना उत्तर के रूप में हुई है।

बाबरपुर में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

औरैय। जनपद के बाबरपुर कस्बे में सोमवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब शास्त्रीनगर मोहल्ले के निवासी 40 वर्षीय जाहिद पुत्र मुस्तकीम ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार और क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार जाहिद ट्रैवलर्स एजेंसी में बतौर एजेंट कार्य करता था और बाबरपुर तिराहे पर घड़ियों की दुकान भी चलाता था। वह पत्नी निशा और पुत्री पलक के साथ शास्त्रीनगर स्थित मकान में रह रहा था। सोमवार को वह पत्नी और बेटी को मायके इटावा छोड़कर शाम को वापस घर लौटा था। रात करीब साढ़े नौ बजे मोहल्ले के लोगों ने उसे कमरे में फंदे पर लटकते हुए देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को नीचे उतरवाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ललतेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

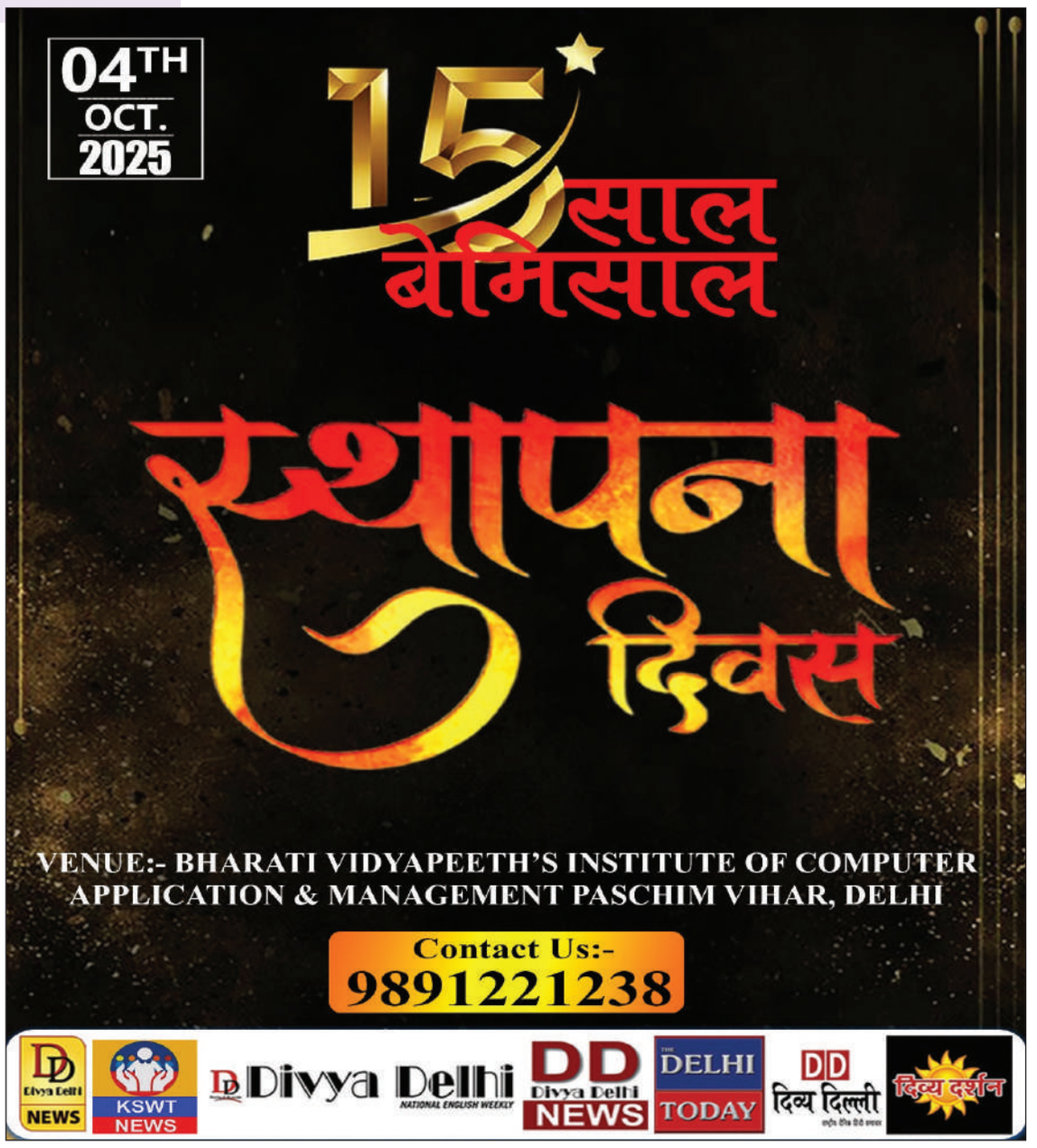

जुनेजा बिजली विभाग में वह शख्सियत है जिनकी कार्यशैली की तारीफ खुद ऊर्जा मंत्री से लेकर अध्यक्ष आशीष गोयल ने की

लखनऊ । रजत जुनेजा बिजली विभाग में वह शख्सियत है जिनकी कार्यशैली की तारीफ खुद ऊर्जा मंत्री से लेकर अध्यक्ष आशीष गोयल ने की । विद्युत विभाग में 8 अगस्त 1988 को सहायक अभियंता के पद पर पहली पोस्टिंग हुई। अपनी साफ छवि को बेदाग रखते हुए 37 वर्षों का लंबा कार्यकाल पूरा कर आज इनके सेवानिवृत्ति का दिन भी आ गया। अमौसी जोन के सभी अभियंताओं ने पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया । इस अवसर पर मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ,जानकीपुरम के मुख्य अभियंता बीपी सिंह के साथ अधीक्षण अभियंता भविष्य कुमार व मनोज गुप्ता के साथ सभी खंड उपखंड के अभियंता, विद्युत कार्मिक उपस्थित थे।

रवि अग्रवाल मुख्य अभियंता मध्य क्षेत्र तथा बीपी सिंह मुख्य अभियंता जानकीपुरम क्षेत्र ने अमौसी क्षेत्र मुख्य अभियंता की भूरि - भूरि प्रशंसा की। सभी ने मुख्य अभियंता जुनेजा के साथ बीते हुए पलों को याद कर भावुक भी हुए। इस विदाई समारोह में मुख्य अभियंता जुनेजा की पत्नी तथा बेटियां उपस्थित थी ।

मंच से जुनेजा की पत्नी ने कहा कि वह दूरदर्शी ,धैर्यवान कर्तव्यनिष्ठ पति होने के साथ-साथ विभाग ने जिस जिम्मेदारी को सौपा उन्होंने बखूबी निभाया। मां को भावुक देख बिटिया ने कहा कि मुझे गर्व है कि रजत जुनेजा मेरे पापा है।

पापा का फोन पूरी रात भर ऑन रहता है आधी रात को कोई विद्युत कर्मी पापा से बात करते हुए हिचकिचाता नहीं। पापा ने घर से ज्यादा समय बिजली विभाग को दिया । अधीक्षण अभियंता भविष्य कुमार तथा मनोज गुप्ता ने कहा कि हमारे मुख्य अभियंता साहब भारी बारिश में एक छाते के समान है जिन्होंने परेशानियों की सारी बौछार अपने ऊपर ले ली, यह कहते हुए चुटकी ली और लोग खूब हंसने लगे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321